दैनिक
छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 308 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

बुधवार 11 फरवरी 2026 डाक-गुरूवार 12 फरवरी 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

फिलीपींस में जहाज डूबने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 52 हुई

फिलीपींस, 11 फरवरी [एजेंसी]। फिलीपींस के बेसिलन प्रांत के पास यात्री-मालवाहक जहाज 'त्रिशा कर्स्टिन 3' के डूबने से कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई है। फिलीपीन कोस्ट गार्ड (पीसीजी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पीसीजी ने तकनीकी गोताखोर टीमों के चल रहे प्रयासों का हवाला देते हुए बताया कि गोताखोरों ने मंगलवार तड़के बालुक-बालुक द्वीप के पास खोज और बचाव अभियान के दौरान एक और शव बरामद किया, जिससे मरने वालों की कुल संख्या 52 हो गई है। कुल मिलाकर 316 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि बचाव दल अभी भी शेष पीड़ितों की तलाश में जुटे हैं। यह जहाज 26 जनवरी की रात बेसिलन से लगभग एक समुद्री मील की दूरी पर डूब गया था, जिसमें 332 यात्री और चालक दल के 27 सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने कहा कि डूबने का संभावित कारण तकनीकी खामी थी। कोस्ट गार्ड ने एक बयान में कहा, 'लगभग सुबह सात बजे, पीसीजी के तकनीकी गोताखोरों ने मलबे वाली जगह पर अभियान शुरू किया। पंद्रह मिनट बाद, गोताखोर टीम ने डूबे हुए जहाज से एक महिला का शव बरामद किया।' शव को पीसीजी के जहाज बीआरपी मेलचोरा एक्विनो द्वारा निकाला गया। खोज और बचाव अभियान अभी भी जारी है, क्योंकि अधिकारी फेरी पर सवार सभी यात्रियों और चालक दल का पता लगाने में लगे हैं।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ भारत बंद का ऐलान, सड़कों पर उतरेंगे किसान

नई दिल्ली, 11 फरवरी [एजेंसी]। संयुक्त किसान मोर्चा ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के विरोध में 12 फरवरी 2026 को देशव्यापी भारत बंद का एलान किया है।

संगठन का आरोप है कि यह समझौता भारतीय किसानों के हितों के खिलाफ है और इससे कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान हो सकता है। हालांकि केंद्र सरकार ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा है कि समझौते में किसानों और डेयरी सेक्टर के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं।

एसकेएम के संयोजक हन्नान मोल्लाह ने कहा कि यह व्यापार समझौता सस्ते अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल देगा, जिससे घरेलू किसान प्रतिस्पर्धा

में पिछड़ जाएंगे। उन्होंने इसे किसानों के साथ विश्वासघात करार देते हुए कहा कि सरकार ने अमेरिकी दबाव के आगे समर्पण कर दिया है।

मोल्लाह ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से इस्तीफे की मांग भी की। उन्होंने बताया कि 4 फरवरी से 11 फरवरी तक देशभर में किसानों को लामबंद करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है, जिसका समापन 12 फरवरी के भारत बंद के साथ होगा। वहीं, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने समझौते का बचाव करते हुए कहा कि किसानों और डेयरी क्षेत्र के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि दूध, घी, मक्खन, चीज, दही जैसे डेयरी उत्पादों के साथ गेहूं, चावल, मक्का, ज्वार, जौ, ओट्स और अन्य मोटे अनाज को टैरिफ रियायत से बाहर रखा गया है।

इसके अलावा कई सब्जियां, फ्रोजन खाद्य पदार्थ और काली मिर्च, जीरा, हल्दी, अदरक, धनिया व सरसों जैसे मसालों को भी संरक्षण दिया गया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि समझौते के तहत आनुवंशिक रूप से संशोधित खाद्य उत्पादों को अनुमति नहीं दी जाएगी। पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता आत्मनिर्भर भारत को मजबूती देगा और घरेलू कृषि को सशक्त बनाएगा।

संयुक्त किसान मोर्चा के भारत बंद के आह्वान के बाद कई राज्यों में प्रदर्शन और रैलियों की तैयारी की जा रही है। हालांकि बंद का व्यापक असर कितना होगा, यह 12 फरवरी को ही स्पष्ट होगा।

जन गण मन से पहले गाया जाएगा वंदे मातरम

सभी 6 पैरा गाना जरूरी, स्कूलों में राष्ट्रगीत के बाद शुरू होगी पढ़ाई, सिनेमाघरों को छूट

नई दिल्ली, 11 फरवरी [एजेंसी]। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने 28 जनवरी के आदेश में कहा है कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आदेश में साफ लिखा है कि अगर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' साथ में गाए या बजाए जाएं, तो पहले वंदे मातरम गाया जाएगा। इस दौरान गाने या सुनने वालों को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा।

आदेश के मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत बजाने के बाद ही होगी। नए नियमों के अनुसार, राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

हालांकि, आदेश में यह भी कहा गया है किन-किन मौकों पर राष्ट्रगीत गाया जा सकता है, इसकी पूरी लिस्ट देना संभव नहीं है। यह पहली बार है जब राष्ट्रगीत के गायन को लेकर डिटेल में प्रोटोकॉल जारी किए गए हैं। केंद्र इस समय वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम मना रहा है।

रणवीर सिंह के बाद अब सलमान के करीबी को मिली धमकी, बिश्नोई गैंग ने मांगी करोड़ों की रंगदारी

मुंबई , 11 फरवरी [एजेंसी]। सुपरस्टार रणवीर सिंह को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद अब बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के बेहद करीबी को धमकियां मिली हैं। इन धमकियों के पीछे कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ बताया जा रहा है। धमकी देने वालों ने दोनों ही मामलों में करोड़ों रुपये की रंगदारी की मांग की है, जिसके बाद मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच ने अपनी चौकसी और बढ़ा दी है।

सलमान खान, जो पहले से ही बिश्नोई गैंग के निशाने पर हैं, अब उनके नजदीकी लोगों को भी निशाना बनाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सलमान के एक बेहद करीबी और इंडस्ट्री से जुड़े शख्स को एक धमकी भरा ईमेल मिला है। इस ईमेल में भेजने वाले ने खुद को बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया है और जान बख्शने के एवज में करोड़ों रुपये की मांग की है। हालांकि, अभी तक इस मामले में सलमान खान या उनके किसी सहयोगी की तरफ से पुलिस में कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। इसके बावजूद, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच ने एहतियातन सतर्कता बढ़ा दी है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच में एक और डराने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस को इनपुट मिले हैं कि बिश्नोई गैंग से जुड़े कुछ संदिग्ध लोगों की मोबाइल लोकेशन कई बड़ी बॉलीवुड हस्तियों के घरों के आसपास पाई गई है। इस जानकारी के बाद पुलिस ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है और क्राइम ब्रांच संदिग्धों के सुराग तलाशने में जुट गई है। चूंकि सलमान खान को पहले भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही चाक-चौबंद है, लेकिन अब उनके करीबियों पर मंडराता खतरा पुलिस के लिए नई चुनौती बन गया है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग और सलमान के करीबी को धमकी के बीच अब अभिनेता रणवीर सिंह का नाम भी इस लिस्ट में जुड़ गया है। खबर है कि रणवीर सिंह को उनके व्हाट्सएप पर एक वॉइस नोट के जरिए धमकी दी गई है। इसमें भी उनसे करोड़ों रुपये की मांग की गई है। इस मामले में भी बिश्नोई गैंग का नाम ही सामने आ रहा है।

सरकार का बड़ा फैसला, 3 घंटे में हटेगा डीप फेक और एआई कंटेंट, नए नियम जारी

नई दिल्ली, 11 फरवरी [एजेंसी]। भारत सरकार ने डीपफेक सहित एआई से तैयार की गई सामग्री को लेकर नियमों को और सख्त कर दिया है। नए संशोधित सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 (Information Technolog 4Rules, 2021) के अनुसार अब बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को अदालत या सरकारी निर्देश पर एआई डीप फेक सामग्री को 3 घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य होगा। यह नियम 20 फरवरी 2026 से प्रभावी होंगे।

सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर फैलने वाली गलत, भ्रामक और हानिकारक सामग्री विशेषकर जो एआई तकनीक से तैयार की जा रही है उस पर तेजी से नियंत्रण रखना है। पहले प्लेटफॉर्म्स को

सरकारी या न्यायालय के आदेश पर कंटेंट हटाने के लिए 36 घंटे का समय दिया जाता था। अब इस समयसीमा को केवल 3 घंटे तक घटा दिया गया है, ताकि गलत जानकारी और भ्रामक एआई सामग्री से होने वाले खतरों को जल्दी से रोका जा सके। साथ ही, उपभोक्ता शिकायतों के निवारण के लिए निर्धारित समयसीमा को भी कम कर दिया गया है, ताकि यूजर द्वारा रिपोर्ट की गई समस्याओं का निपटारा तेज़ी से हो सके।

इन नए नियमों से कुछ चीजों को बाहर रखा गया है जैसे कि सामान्य संपादन, किसी सामग्री को बेहतर बनाने और नेक नीयत से किए गए शैक्षिक या डिजाइन कार्यों को फिलहाल बाहर रखा गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अधिसूचना में इस बात की जानकारी दी है कि प्रमुख परिवर्तनों में बनावटी सामग्री को सूचना के रूप में मानना शामिल है। आईटी नियमों के तहत गैरकानूनी कार्यों के निर्धारण के लिए एआई कंटेंट को अन्य सूचनाओं के समान माना जाएगा।

नियमों के तहत एआई कंटेंट की अनिवार्य रूप से लेबलिंग जरूरी है। बनावटी कंटेंट बनाने या शेयर करने की सुविधा देने वाले प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी सामग्री पर स्पष्ट रूप से और प्रमुखता से लेबल लगाया जाए। जहां तकनीकी रूप से संभव हो, वहां इसे स्थायी मेटाडेटा या पहचानकर्ताओं के साथ जोड़ा जाना चाहिए। अधिसूचना में इस बात की भी जानकारी दी गई है कि इंटरमीडियरीज (प्लेटफॉर्म) एक बार एआई लेबल लगाए जाने के बाद उन्हें छिपाने या फिर हटाने की परमिशन नहीं दे सकते हैं।

वाह वाह

टीचर- सभी बच्चे अपना-अपना नाम और पंसद बताओ?

पहला लड़का- हमारा नाम छोटू है और हमें इमरती पंसद है

दूसरा लड़का- हमारा नाम गोलू है और हमको भी इमरती पंसद है

तीसरा लड़का- हमारा नाम गप्पू है, हमें भी इमरती पंसद है

टीचर- अरे वाह, सबकी पंसद एक है

टीचर- लड़की तुम्हारा नाम क्या है?

लड़की- हमारा नाम इमरती है

टीचर बेहोश.....

देश भर में बच्चों के गायब होने के पीछे कोई नेटवर्क सुप्रीम कोर्ट सख्त, सरकार को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली, 11 फरवरी [एजेंसी]। देश में बच्चों के लगातार लापता होने की घटनाओं को गंभीर मानते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह पता लगाने को कहा है कि क्या इसके पीछे कोई राष्ट्रव्यापी संगठित नेटवर्क सक्रिय है या फिर यह समस्या केवल कुछ राज्यों तक सीमित है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह जानना जरूरी है कि इन घटनाओं में कोई समान पैटर्न है या ये अलग-अलग और असंबद्ध मामले हैं।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने केंद्र सरकार से निर्देशित किया कि वह सभी राज्यों से बच्चों के लापता होने से जुड़ा विस्तृत डेटा एकत्र कर उसका विश्लेषण करे। पीठ ने कहा कि हाल के दिनों में इस तरह की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी ने बताया कि कुछ राज्यों ने बच्चों के लापता होने से जुड़ा आंकड़ा और मामलों की वर्तमान स्थिति उपलब्ध कराई है, लेकिन अब भी करीब एक दर्जन राज्यों से जानकारी नहीं मिल सकी है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण डेटा मिलने के बाद ही किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है।

इस पर पीठ ने कहा कि अदालत यह जानना चाहती है कि क्या बच्चों के अपहरण और लापता होने के मामलों के पीछे कोई संगठित तंत्र काम कर रहा है या फिर यह अलग-अलग घटनाएं हैं, जिनका आपस में

कोई संबंध नहीं है। अदालत ने यह भी सुझाव दिया कि जिन बच्चों को अपहरण के बाद सुरक्षित बरामद किया गया है, उनके इंटरव्यू किए जाएं, ताकि अपराध के तरीकों और इसमें शामिल लोगों की पहचान की जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने उन राज्यों पर भी नाराजगी जताई, जिन्होंने अब तक आवश्यक जानकारी साझा नहीं की है। पीठ ने संकेत दिया कि जरूरत पड़ी तो इस मामले में सख्त आदेश भी जारी किए जा सकते हैं। केंद्र सरकार ने अदालत को भरोसा दिलाया कि सभी राज्यों से डेटा जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गौरतलब है कि इस मामले में एक एनजीओ की ओर से याचिका दायर की गई थी। इससे पहले 9 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह पिछले छह वर्षों में देशभर में लापता हुए बच्चों का पूरा डेटा संकलित करे। अदालत ने गृह मंत्रालय को यह भी आदेश दिया था कि यह जानकारी महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाए।

उल्लेखनीय है कि 18 नवंबर को सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। इस रिपोर्ट को गंभीर मानते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सरकार को एक प्रभावी तंत्र विकसित करना होगा, ताकि बच्चों के लापता होने जैसी घटनाओं पर प्रभावी ढंग से रोक लगाई जा सके।

ग्लोबल ट्रांसपेरेंसी की रिपोर्ट में खुलासा, भारत में कम हुआ भ्रष्टाचार, अमरीका और ब्रिटेन में बढ़ा

नई दिल्ली , 11 फरवरी [एजेंसी]। यूरोप और अमरीका में जहां पिछले साल भ्रष्टाचार के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है, वहीं भारत में 2024 की तुलना में 2025 में भ्रष्टाचार के मामलों में कमी आई है। यह खुलासा ग्लोबल ट्रांसपेरेंसी की एक रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में भारत के स्कोर में एक अंक का सुधार दर्ज किया गया है। अब दुनिया भर में भ्रष्टाचार के मामले में भारत 91वें स्थान पर है। ग्लोबल ट्रांसपेरेंसी के मुताबिक दुनिया में डेनमार्क एकमात्र ऐसा देश है, जहां भ्रष्टाचार के मामले सबसे कम आए हैं। दक्षिण सूडान, सोमालिया दुनिया के सबसे भ्रष्ट देश हैं। ग्लोबल ट्रांसपेरेंसी ने दुनिया के 180 देशों को लेकर यह रिपोर्ट जारी की है। भ्रष्टाचार को लेकर जारी रिपोर्ट में सिर्फ सात ऐसे देश हैं, जिनके स्कोर 80 से ज्यादा हैं। यूरोपीय देशों में भ्रष्टाचार ने पांव फैलाया है। ब्रिटेन, फ्रांस, इटली जैसे देशों के स्कोर में गिरावट दर्ज की गई है। सिर्फ जर्मनी में भ्रष्टाचार के मामलों में कमी आई है। ब्रिटेन टॉप-20 देशों की लिस्ट से बाहर है। अमरीका के स्कोर में भी गिरावट दर्ज की गई है। वह भी तब, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जड़ से भ्रष्टाचार खत्म करने की बात कह रहे हैं। 2024 में दुनियाभर में भ्रष्टाचार के मामले में अमरीका का स्थान 28वां था, जो अब 29वां हो गया है। वहीं तमाम कवायदों के बावजूद चीन में भ्रष्टाचार के मामलों में कमी नहीं आई है। चीन का स्कोर पहले की तरह ही 43 है। भ्रष्टाचार के मामले में चीन का स्थान 76वें नंबर पर है।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले हिंदू कारोबारी की हत्या

ढाका, 11 फरवरी [एजेंसी]। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब संसदीय चुनावों से पहले एक और हिंदू व्यापारी की हत्या कर दी गई है। सोमवार की रात यह घटना ऐसे समय में हुई, जब दो दिन बाद ही इस दक्षिण एशियाई देश में आम चुनाव के लिए मतदान होना है। घटना मेमेनसिंह जिला में हुई है। मारे गए कारोबारी की पहचान सुषेन चंद्र सरकार (62 वर्षीय) के रूप में हुई है। वह धान के व्यापारी थे और डाकिनकांडा गांव में रहते थे। पुलिस के अनुसार, हत्या सोमवार रात 11 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने सुषेन चंद्र सरकार पर तेज हथियार से हमला किया। फिर उन्हें दुकान के अंदर छोड़ शटर बंद कर दिए। परिवार वाले जब उन्हें ढूंढने गए, तो दुकान के अंदर शव खून से लथपथ पड़ा था।

जनवरी में 4.5 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बिजली की मांग

मुंबई, 11 फरवरी [एजेंसी]। उत्तरी और पूर्वी हिस्से में शीतलहर के कारण देश में बिजली की मांग जनवरी में 4.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 143 अरब यूनिट पर पहुंच गई जो कम से कम 2010 के बाद का रिकॉर्ड है। बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी के पूर्वार्ध में उत्तरी और पूर्वी भारत में भयंकर शीतलहर रही जिससे घरों को गर्म रखने के लिए बिजली की मांग में वृद्धि देखी गयी। पिछले साल जनवरी में बिजली की मांग 136 अरब यूनिट रही थी।

क्रिसिल रेटिंग्स के अनुसार 08 जनवरी से 14 जनवरी के बीच पश्चिमी और पश्चिमोत्तर भारत में औसत न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। उत्तर भारत में बिजली की मांग 5.5 प्रतिशत अधिक रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें औद्योगिक मांग का भी योगदान रहा। जनवरी में देश के विनिर्माण गतिविधियों का सूचकांक दिसंबर के 55 से

बढ़कर 55.4 पर पहुंच गया। कुल मांग में औद्योगिक तथा वाणिज्यिक उपभोक्ताओं का योगदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीने में अप्रैल से जनवरी के दौरान बिजली की मांग में साल-दर-साल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जनवरी में उच्चतम मांग 245 गीगावाट रही जो 09 जनवरी की सुबह 9.52 बजे दर्ज की गयी। यह पिछले साल गर्मियों के दौरान रही 243 गीगावाट की उच्चतम मांग से अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में बिजली उत्पादन सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 156 अरब यूनिट पर पहुंच गया। नवीकरणीय ऊर्जा में 10 प्रतिशत, कोयला आधारित बिजली उत्पादन में करीब पांच प्रतिशत, और जल तथा परमाणु ऊर्जा उत्पादन में क्रमश: 11.8 प्रतिशत और 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

रायपुर मंडल: रेल सुरक्षा और आधुनिकीकरण की ओर बढ़ते कदम

रायपुर मंडल में सिग्नल एवं टेलीकॉम मेंटेनर्स (अनुरक्षक) को विशेष संरक्षा टूल किट का वितरण

रायपुर (छ.ग.गौरव)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक रायपुर दयानद द्वारा रायपुर स्टेशन पर सिग्नल एवं टेलीकॉम विभाग के इलेक्ट्रिक सिग्नल मेंटेनर्स/ सिग्नल स्टाफ को विशेष टूल बैग सहित आधुनिक टूल किट वितरित की गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर रवि शंकर गोयल, मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर आकाश कुमार सहित संबंधित सुपरवाइजर, स्टाफ उपस्थित रहे। रेल यात्रियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाने की दिशा में रायपुर मंडल ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रायपुर मंडल में सिग्नल एवं टेलीकॉम विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को आधुनिक और सुरक्षित काम के लिए विशेष टूल किट दी गई हैं।

रेलवे की सिग्नल प्रणाली ट्रेनों के सुरक्षित संचालन में महत्वपूर्ण है। इन प्रणालियों की देखरेख करने वाले कर्मचारी अक्सर फील्ड में कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं। नई टूल किट से उन्हें एक ही बैग में सभी जरूरी और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हो जाएंगे, जिससे काम जल्दी, सुरक्षित और सही तरीके से किया जा सकेगा। यह विशेष टूल किट फ्रंटलाइन मेंटेनेंस स्टाफ की कार्यक्षमता को बढ़ाने, अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (RDSO) के सेफ्टी स्टैंडर्ड्स के अनुपालन को सुनिश्चित करने तथा ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग (ABS) के कार्यान्वयन और पूरे मंडल में कवच प्रणाली के रोलआउट जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को प्रभावी रूप से समर्थन देने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं।

टूल किट की प्रमुख विशेषताएं 20+ आधुनिक उपकरण शामिल हैं, जैसे इस किट को 'ऑल-इन-वन' समाधान के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें पारंपरिक और डिजिटल दोनों तरह के उपकरण शामिल हैं:

1. डिजिटल मल्टीमीटर और क्लैंप मीटर, अर्थ टेस्टर क्लैंप टाइप
2. केबल फॉल्ट लोकेटर,
3. सैमसंग टैबलेट (स्रूरू अपडेशन हेतु)।
4. मैकेनिकल टूल्स,साइड कटिंग, नोज़ और कॉम्बिनेशन प्लायर, डबल एंड स्पैनर, स्क्रूड्राइवर सेट, वायर स्ट्रिपर। मेंटेनेंस टूल्स,सोल्डरिंग आयरन, ग्रीस गन, पॉइंट मशीन टूल किट.
5. MSDAC मेंटेनेंस किट, EI टूलकिट।
6. सुरक्षा उपकरण, स्टील टेप, हथौड़ा और विशेष पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (PPE)।

सकारात्मक प्रभाव

1. त्वरित प्रतिक्रिया (रूझ्रुञ्रक्र): केबल फॉल्ट लोकेटर और डिजिटल टूल्स की मदद से तकनीकी खामियों को कम समय में ठीक किया जा सकेगा।
2. डिजिटल सशक्तिकरण: टैबलेट के माध्यम से SMMS (Signaling Maintenance Management System) पर रियल-टाइम डेटा अपडेशन संभव होगा, जिससे कागजी कार्रवाई कम होगी।

मेंटेनेंस कर्मियों को सभी आवश्यक एवं मानकीकृत टूल्स एवं डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता से ऑपरेशनल एफिशिएंसी, सेफ्टी तथा सिस्टम की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा। समस्या का जल्दी समाधान होगा किसी भी तकनीकी खराबी को कम समय में ठीक किया जा सकेगा। ज्यादा सुरक्षित ट्रेन संचालन बेहतर रखरखाव से सिग्नल सिस्टम और ज्यादा भरोसेमंद होगा। इन आधुनिक टूल किट्स से सिग्नल कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, समयबद्ध और भरोसेमंद रेल सेवा मिलेगी।

उद्यमिता जागरूगता शिविर कार्यक्रम संपन्न

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, कोरबा द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत जिले के युवक-युवतियां/उद्यमियों के लिए स्वयं का सेवा व्यवसाय/उद्यम स्थापना के लिए विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु दिनांक 10.02.2026 को ग्राम पंचायत केराझरिया, विकासखण्ड-पाली में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित प्रतिभागियों को जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, कोरबा के प्रबंधक एवं पीएमएफएमई के डीआरपी द्वारा विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए योजना के तहत उपलब्ध होने वाले सब्सिडी, ऋण सुविधाओं तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया गया।

सिक्किम से 15-सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने किया गेवरा खदान का भ्रमण

हरित, सुरक्षित और आधुनिक कोयला खनन प्रक्रियाओं को देखा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) सिक्किम और छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वधान में सिक्किम से 15-सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा का दौरा किया। यह दौरा देश की ऊर्जा सुरक्षा में एसईसीएल भूमिका, पर्यावरणीय प्रयासों और सतत खनन पहलों को प्रत्यक्ष रूप से समझने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा में अत्याधुनिक एचईएमएम संचालन का अवलोकन किया। मीडिया दल को सरफेस माइनर के माध्यम से ब्लास्ट-फ्री कोयला उत्खनन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई, जो पर्यावरण-अनुकूल होने के साथ-साथ सुरक्षित और प्रभावी खनन का उदाहरण है। इसके अतिरिक्त, प्रतिनिधिमंडल ने फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी के माध्यम से की जा रही पर्यावरण-अनुकूल कोयला डिस्पैच प्रणाली को भी देखा, जिससे धूल-उत्सर्जन में कमी, पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होती है। इसके साथ ही गेवरा में विकसित मियावाकी पद्धति से किए गए सघन पौधारोपण को भी मीडिया सदस्यों ने सराहा। पत्रकारों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह पहली बार है जब उन्होंने कोयला खनन कार्यों को इतनी नज़दीक से देखा। उन्होंने देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक कल्याण के प्रति एसईसीएल के संतुलित दृष्टिकोण की सराहना की। गेवरा दौरे के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर में एसईसीएल प्रबंधन से एन फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (तक.) संचालन, बिरंची दास, निदेशक (एचआर), रमेश चन्द्र महापात्र, निदेशक (तक.) योजना/परियोजना- के साथ

संवाद किया, जहाँ संगठन की भावी योजनाओं, सतत विकास लक्ष्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों पर विस्तार से चर्चा हुई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रायपुर रेल मंडल के हथबंद-भाटापारा सेक्शन में रोड अंडर ब्रिज निर्माण के लिए गर्डर लॉन्चिग को लेकर कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा

रायपुर (छ.ग.गौरव)। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है 7 इसी संदर्भ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत हथबंद-भाटापारा सेक्शन के बीच किमी 774/13-15 पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 389 के स्थान पर रिलीविंग गर्डरों के लॉन्चिग कार्य के लिए ट्रैफिक कम पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। जिसका विवरण इस प्रकार है:-

रद्द होने वाली गाडियां :-

1) दिनांक 14 फरवरी, 2026 को गाडी संख्या 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

2) दिनांक 14 फरवरी, 2026 को गाडी संख्या 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

3) दिनांक 14 फरवरी, 2026 को गाडी संख्या 68733 गेवरा रोड -बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

4) दिनांक 14 फरवरी, 2026 को गाडी संख्या 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

5) दिनांक 14 फरवरी, 2026 को गाडी संख्या 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी।

6) दिनांक 14 फरवरी, 2026 को को गाडी संख्या 58205 रायपुर- नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) पैसेंजर रद्द रहेगी।

7) दिनांक 15 फरवरी, 2026 को गाडी संख्या 58206 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी।

8) दिनांक 15 फरवरी, 2026 को गाडी संख्या 58202 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

बीच में समाप्त होने वाली गाड़ी:-

1) दिनांक 14 फरवरी, 2026 को झारसुगुड़ा से चलने वाली 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर को बिलासपुर में ही समाप्त होगी यह गाड़ी बिलासपुर एवं गोंदिया के बीच रद्द रहेगी।

2) दिनांक 14 फरवरी, 2026 को 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर गोंदिया के स्थान यह गाड़ी बिलासपुर से ही झारसुगुड़ा के लिए रवाना होगी। इसलिए यह गाड़ी गोंदिया एवं बिलासपुर के बीच रद्द रहेगी।

11 के वी, सीएसपीडीसीएल फीडर और आर टाइप इलेक्ट्रॉन पोर्टल के भिलाई स्टेशन पर डिस्मेंटलिंग कार्य के कारण 14 फरवरी 2026 को

गाड़ी संख्या 68701रायपुर दुर्ग मेमू ,
गाड़ी संख्या 68702 दुर्ग रायपुर मेमू,
गाड़ी संख्या 68703 रायपुर दुर्ग मेमू,
गाड़ी संख्या 68704 दुर्ग रायपुर मेमू रद्द रहेगी।

रेल प्रशासन यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए ऐसे विकास कार्यों के लिए सहयोग की आशा करती है।

साइबर अपराधों से बचने सतर्कता, सावधानी आवश्यक:कलेक्टर

सुरक्षित इंटरनेट दिवस का किया गया आयोजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सुरक्षित इंटरनेट दिवस का आयोजन आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, कोरबा में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर कुणाल दुदावत ने की। एनआईसी अधिकारी हेमंत जायसवाल ने पीपीटी के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, साइबर खतरों से बचाव तथा डिजिटल सतर्कता के महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान जिला आईटी टीम द्वारा सुरक्षित इंटरनेट दिवस के संबंध में पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से इंटरनेट सुरक्षा, साइबर जागरूकता, डेटा गोपनीयता, सोशल मीडिया सुरक्षा तथा बच्चों और संवेदनशील वर्गों की ऑनलाइन सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। टीम ने बताया कि सेफर इंटरनेट डे हर वर्ष फरवरी के दूसरे मंगलवार को विश्वभर में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट और एआई के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना है।

कलेक्टर श्री दुदावत ने साइबर अपराधों से सतर्क रहने की विशेष अपील करते हुए कहा कि साइबर ठगी का शिकार कोई भी हो सकता है, अतः किसी भी अनजान लिंक, कॉल या संदिग्ध संदेश पर विश्वास न करें तथा किसी के साथ ओटीपी या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। उन्होंने नागरिकों को किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल या टोल-फ्री नंबर 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर अपराधों की पहचान, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार और सरकारी रिपोर्टिंग तंत्र की जानकारी देकर डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया गया।कार्यक्रम के दौरान भारतीय मानक ब्यूरो, छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा भी अपनी गतिविधियों एवं मानकों से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर देवेंद पटेल, एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, जिला एनआईसी अधिकारी हेमंत जायसवाल, ईडीएम सुश्री शिखा राजपूत, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला 12 एवं 13 फरवरी को

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ शासन, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय, बिलासपुर द्वारा 12 एवं 13 फरवरी को शासकीय मॉडल आई.टी.आई., कोनी, बिलासपुर में 'संभाग स्तरीय रोजगार मेला' का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर-तकनीकी लगभग 4032 पदों पर चयन हेतु कंपनियों द्वारा साक्षात्कार लिया जाएगा। उक्त रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए www.erojgar.cg.gov.in पोर्टल में रोजगार पंजीयन एवं संभाग स्तरीय रोजगार मेला हेतु पंजीयन दोनों अनिवार्य हैं। अभ्यर्थियों को पोर्टल में उपलब्ध इच्छुक रिक्त पदों का चयन भी करना होगा। अभ्यर्थी 12 एवं 13 फरवरी 2026 को अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, रोजगार पंजीयन प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित स्थल पर उपस्थित हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोरबा के दूरभाष क्रमांक 07759-222069 में संपर्क किया जा सकता है।

राशिफल

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाएं आज ऑनलाइन नई डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा। लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, उनके लेखन कार्यों की सराहना होगी।

वृष राशि-आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज धैर्य और विनम्रता रखने से लोग आपसे प्रभावित होंगे। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत हो सकती है इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको किसी भी कार्य में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है, धैर्य और समझदारी रखें। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।

सिंह राशि-आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कागज पूरे न होने से कुछ देर के लिए रुक सकते हैं, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आप जो भी व्यापार शुरू करेंगे, उसमें सफलता हासिल होगी। आज आपको किसी दोस्त का भी सहयोग मिलेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को खुशनुमा बनाये रखेगा साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी।

कन्या राशि-आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले उसके बारे में पूरी जानकारी जरुर कर लें। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। सभी लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। परिवार से जुड़ी परेशानी खत्म होने के योग हैं।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। आज नई जिम्मेदारी आपको मिलेंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे।

धनु राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वो समय पर पूरा हो जायेगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेगा। नए व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आपके भविष्य में बेहद काम आएंगी।

मकर राशि-आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा। भाई-बहन के साथ घर पर मूवी देखने का प्लान बनाएंगे। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है।

कुंभ राशि-आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। हर व्यक्ति आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। आज आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्त्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये नया खेल तलाश करेंगे। सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी। दोस्त शाम के लिए बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा।

मीन राशि-आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए। किसी बात को लेकर ज्यादा जिद्द करने से बचना चाहिए। बेवजह की उलझनें भी सामने आ सकते हैं, इससे बच कर रहे। आप सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे, समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा।

अवैध रूप से शराब बेचने वाले पकड़ाए

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अवैध गतिविधियों के खिलाफ जिले में चल रहे अभियान के तहत मंगलवार को दीपका पुलिस ने अवैध महुआ शराब के खिलाफ कई जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान लोटानपारा-केराकछार में सूरज धनुहार (19), दुरेना में विक्रम धनुहर (27) व अंताबाई धनुहार (55) समेत सिरकीखुर्द में प्रीति मरकाम (25) को पकड़कर उनके पास से 100 लीटर महुआ शराब जब्त की। आरोपियों के खिलाफ प्रकरण बनाकर उन्हें गिरफ्तार किया। न्यायालय पेश करने पर सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। पुलिस के अभियान के दौरान लगातार ऐसे मामले पकड़े जा रहे हैं।

जांजगीर चाम्पा वनमण्डल के विभिन्न डिपो में रखे गये वनोपज के नीलाम हेतु मात्रा की जानकारी

नीलाम दिनांक 19.02.2026

अ.क्र.	डिपो का नाम	प्रजाति	पिछले नीलाम का शेष							नया वनोपज						
			लट्ठा		बल्ली / डेंगरी		जलाऊ	बांस		लट्ठा		बल्ली / डेंगरी		जलाऊ	बांस	
			नग	घ.मी	नग	घ.मी	चट्टा	नग	नो. टन	नग	घ.मी	नग	घ.मी	चट्टा	नग	नो. टन
1	निस्तार डिपो सक्ती	अन्य	56	9.233												
		सागौन	30	2.880						182	10.516	12	0.240			
		साल	14	1.828												
		सतकठा					57									
2	अकलतरा डिपो	सागौन	29	3.846	384	3.127										
		नीलगिरी			739	8.671										
		सतकठा														
		आद्यो. बांस						70	0.044							
3	जांजगीर	सागौन	16	0.943	4	0.046										
		अन्य	184	26.511												
		सतकठा					114									
4	पंतोरा डिपो	तेंदू	130	20.861												
		साजा	45	9.337												
		अन्य	30	4.174												
		हल्दू	6	1.059												
		बीजा	4	0.572												
		साल	39	6.045	6	0.027										
		सागौन			6	0.101										
		सतकठा					1									
	योग		583	87.289	1139	11.972	172	70	0.044	182	10.516	12	0.240	0	0	0.000

जी-252606571/1

वनमंडलाधिकारी
कटघोरा, वन मंडल कटघोरा

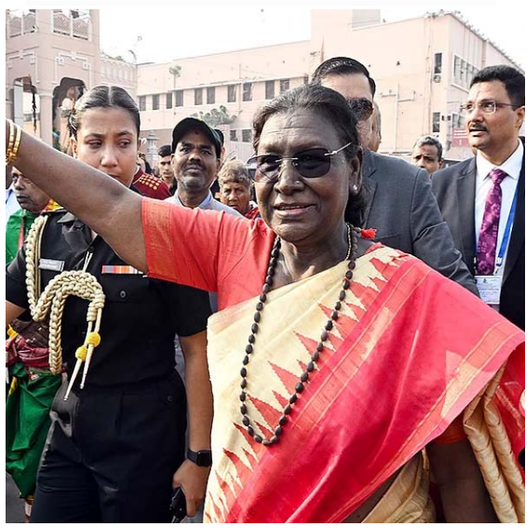

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुरी के जगन्नाथ मंदिर की यात्रा के दौरान भीड़ को हाथ हिलाकर अभिवादन करती हुई।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान आप सांसद संजय सिंह, मलविंदर सिंह कंग, राज कुमार छब्बेवाल और पार्टी के अन्य नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

गुवाहाटी में वर्ल्ड कैंसर डे के मौके पर छात्रों ने जागरूकता रैली निकाली। वर्ल्ड कैंसर डे का मकसद जागरूकता बढ़ाना, जल्दी पता लगाना और कैंसर से बचाव को बढ़ावा देना है। 2026 की थीम है %यूनाइटेड बाय यूनिक%।

बीजेपी विधायक युमनाम खेमचंद, जिन्हें एनडीए की लेजिस्लेटिव पार्टी का नेता चुना गया था, मणिपुर के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण समारोह से पहले इम्फाल एयरपोर्ट पहुंचे।

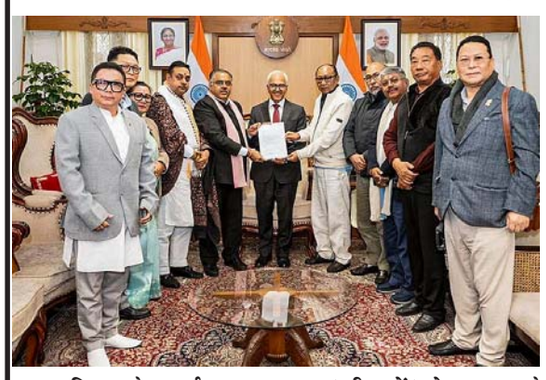

मणिपुर के गवर्नर अजय भल्ला (बीच में) ने इम्फाल के राजभवन में बीजेपी मणिपुर के नेता युमनाम खेमचंद सिंह (दाएं से पांचवें) और अन्य लोगों से मुलाकात की, जिन्होंने बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनाने का दावा पेश किया।

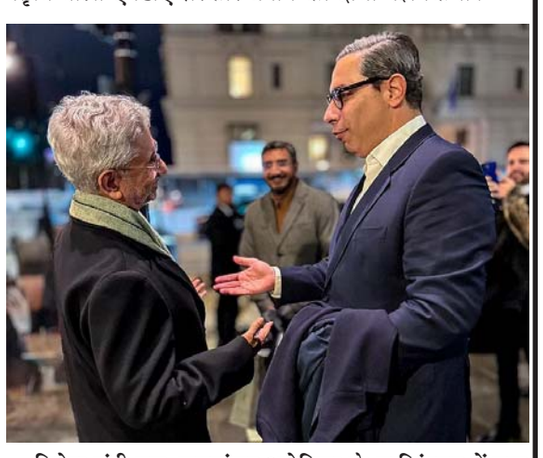

विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका के वाशिंगटन में एक मीटिंग के दौरान साइप्रस के विदेश मंत्री कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस के साथ।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौता: कृषि और डेयरी क्षेत्र पर आंच नहीं, सुरक्षा कवच रहेगा बरकरार

वाशिंगटन, 11 फरवरी [एजेंसी]। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन सोमवार को घोषित भारत के साथ व्यापार समझौते का मसौदा तैयार कर रहा है। भारत इसमें अमेरिकी औद्योगिक सामानों पर टैरिफ 13.5 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर देगा। लेकिन भारत को कुछ कृषि आयात सुरक्षा बनाए रखने की अनुमति होगी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने एक साक्षात्कार में बताया कि अमेरिका भारत के कृषि क्षेत्र के कुछ सुरक्षा वाले क्षेत्रों तक पहुंच के लिए काम करना जारी रखेगा, लेकिन मेवे, शराब, स्पिरिट, फल, सब्जियां जैसी कई चीजों के लिए भारत के टैरिफ शून्य हो रहे हैं। उन्होंने चावल, बीफ, सोयाबीन, चीनी या डेरी का उल्लेख नहीं किया, जिन वस्तुओं को भारत ने ईयू के साथ अपने हालिया व्यापार समझौते से बाहर रखा था। ग्रीर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने भारतीयों के साथ व्यापार में कई तकनीकी बाधाओं पर भी एक समझ और समझौता किया है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जिसमें उन्होंने अमेरिकी मानकों को स्वीकार नहीं किया है, जबकि अमेरिकी सामान सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मानकों को मान्यता की एक प्रक्रिया होगी और भारत को इन मानकों को स्वीकार करने के लिए अपनी राजनीतिक प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। रूसी तेल के आयात को कम करने की भारत की सहमति के बारे में उन्होंने कहा कि वह पिछले वर्ष के अंत से आयात कम करने पर काम कर रहा है। भारत अपनी ऊर्जा खरीद में विविधता लाने के लिए अमेरिका और वेनेजुएला का सही चुनाव कर रहा थाउन्होंने टैरिफ दरों में बदलाव की कोई शुरुआती तारीख नहीं बताई, बस इतना कहा कि इसे आधिकारिक बनाने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने इस समझौते को दोनों देशों के लिए एक रोमांचक अवसर बताया और कहा कि अमेरिका भारत के विरुद्ध कुछ टैरिफ (18 प्रतिशत) कायम रखेगा, क्योंकि हमारा उनके साथ बहुत बड़ा व्यापार घाटा है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने तेल कंपनियों और रिफाइनरियों पर कार्रवाई करके रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर दिया है। भारत पर टैरिफ इस बात का अच्छा उदाहरण है कि चीजें कैसे बदल सकती हैं। भारत अब रूस से बहुत कम तेल खरीद रहा है और अगर दूसरे बड़े खरीदार भी ऐसा ही करें, तो इस खून-खराबे को खत्म करने में मदद मिलेगी।

व्यापार समझौते के के बाद भारत अब उन देशों में शामिल हो गया (30 प्रतिशत) शामिल हैं।

है जिन पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सबसे कम टैरिफ लगाए हैं। भारत पर टैरिफ चीन, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, बांग्लादेश और वियतनाम जैसी अन्य एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम है। भारतीय सामानों पर अमेरिकी टैरिफ उसके सबसे करीबी सहयोगियों पर लगाए गए टैरिफ के करीब है।

इनमें ब्रिटेन (10 प्रतिशत), ईयू (15 प्रतिशत), स्विट्जरलैंड (15 प्रतिशत), जापान (15 प्रतिशत), और दक्षिण कोरिया (15 प्रतिशत) शामिल हैं। सबसे अधिक अमेरिकी टैरिफ वाले देशों में ब्राजील (50 प्रतिशत), म्यांमार (40 प्रतिशत), लाओस (40 प्रतिशत), चीन (37 प्रतिशत) और दक्षिण अफ्रीका

भारत-अमेरिका ट्रेड डील को व्हाइट हाउस ने बताया ऐतिहासिक जीत, पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका

वाशिंगटन, 11 फरवरी [एजेंसी]।भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अमेरिका से भी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। व्हाइट हाउस के डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी कुश देसाई ने इस समझौते को ऐतिहासिक जीत करार देते हुए कहा कि यह अमेरिकी कामगारों, किसानों और उद्योगों के लिए बड़ी उपलब्धि है। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने कहा कि अमेरिका ने दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल और एक अरब से अधिक आबादी वाले देश के साथ महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसी कड़ी में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने भी समझौते

की सराहना करते हुए कहा कि यह दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं और नागरिकों के लिए व्यापक अवसर पैदा करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में इस साझेदारी को नई और उत्साहजनक दिशा देने वाला कदम बताया। समझौते की एक प्रमुख विशेषता यह भी रही कि भारत को टैरिफ दरों में पाकिस्तान की तुलना में राहत मिली है। 31 जुलाई 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा जारी कार्यकारी आदेश के तहत पाकिस्तान के लिए 19 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ दर घोषित की गई थी, जबकि भारत को अपेक्षाकृत कम दरों का लाभ मिला।

तेल खरीद पर ट्रंप के दावों की रूस ने खोली पोल, कहा- भारत से तो ऐसा कुछ भी नहीं सुना

मॉस्को ,11 फरवरी । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद भारत-रूस संबंधों को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर चर्चा तेज हो गई है। ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि भारत ने अमेरिका के साथ हाल ही में हुए व्यापार समझौते के तहत रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति दी है। हालांकि रूस ने इस दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि भारत की ओर से उन्हें ऐसा कोई आधिकारिक संदेश नहीं मिला है।ट्रंप ने बताया कि अमेरिका और भारत के बीच एक नया व्यापार समझौता हुआ है, जिसके तहत अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात पर लगने वाला टैरिफ 50त्न से घटाकर 18त्न कर दिया गया है। इसके जवाब में ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और अमेरिका से अधिक तेल खरीदेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत का रूस से तेल खरीदना यूक्रेन युद्ध में रूस को अप्रत्यक्ष मदद पहुंचा रहा है।रूस के राष्ट्रपति कार्यालय (क्रेमलिन) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी वाले रिश्तों को बेहद अहम मानता है और उन्हें और मजबूत करना चाहता है। पेसकोव ने कहा, अब तक हमें भारत की ओर से रूस से तेल खरीदने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं मिला है।उन्होंने आगे कहा, हम द्विपक्षीय अमेरिकी-भारतीय संबंधों का सम्मान करते हैं, लेकिन रूस-भारत रणनीतिक साझेदारी हमारे लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारत के साथ हमारे संबंध अत्यंत मूल्यवान हैं और हम उन्हें आगे भी विकसित करना चाहते हैं।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से 2022 में भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा है। पश्चिमी देशों ने इसे लेकर नाराज़गी जताई और रूस की ऊर्जा आय को सीमित करने के लिए प्रतिबंध लगाए। भारत का रुख हमेशा यह रहा है कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हित प्राथमिकता में हैं।

हालांकि, ट्रंप के दावे और रूस के इनकार के बीच स्थिति अभी अस्पष्ट है। भारत की ओर से इस मसले पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ऐसे में तेल, व्यापार और कूटनीति का यह विवाद अभी जारी रहने की संभावना है।

अमेरिकी कानून का सामना कर रहे मादुरो की बढ़ी मुश्किलें, यूएस से अर्जेंटीना ने की प्रत्यर्पण की मांग

दुबई ,11 फरवरी (एजेंसी)। अर्जेंटीना की कोर्ट ने अमेरिका से पूर्व वेनेजुएला राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उन्हें सौंपने की मांग की है। मादुरो अभी न्यूयॉर्क की जेल में ड्रग तस्करी के आरोप में बंद हैं। अर्जेंटीना उन पर मानवाधिकार हनन का मुकदमा चलाना चाहता है, लेकिन अमेरिका में चल रहे केस के कारण उनकी वापसी की संभावना कम है।

अर्जेंटीना के एक जज ने बुधवार को अमेरिका से वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपने की औपचारिक मांग की है। फिलहाल वह न्यूयॉर्क की एक जेल में बंद हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने एक विशेष ऑपरेशन में पिछले महीने मादुरो को पकड़ा था।मादुरो पर लगे हैं कई गंभीर आरोप

मामले में अर्जेंटीना के संघीय जज ने एक वारंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस काराकास में मादुरो पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा करवाई। इसमें लोगों को प्रताड़ित करना और जबरन गायब करना शामिल है।

मामलों में नागरिकों को बनाया गया है वादी

इस मामलों में उन वेनेजुएला के नागरिकों को वादी बनाया गया है जिन्होंने सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंटों के हाथों भयानक यातनाएं झेली हैं। यह कानूनी लड़ाई साल 2023 में ब्यूनस आयर्स में मानवाधिकार संगठनों ने शुरू की थी। यहां की अदालतें पहले भी देश के बाहर मानवाधिकार हनन के मामलों की जांच करती रही हैं। तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने मादुरो को सत्ता से हटाया था, जिसके बाद अर्जेंटीना के सरकारी वकीलों ने जज रामोस से इस प्रत्यर्पण अनुरोध को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था।अर्जेंटीना ने 1997 की प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए यह मांग की है। हालांकि, इसकी संभावना कम है कि ट्रंप प्रशासन इस पर तुरंत अमल करेगा। इसका मुख्य कारण अमेरिका में मादुरो पर चल रहा

मुकदमा है। मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स अभी ब्रुकलिन की जेल में हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने 25 वर्षों तक ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में हजारों टन ड्रग भेजने में मदद की।

राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली खुद को डोनाल्ड ट्रंप का करीबी सहयोगी मानते हैं और उन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी का स्वागत किया था। मानवाधिकार संगठनों ने इस प्रत्यर्पण अनुरोध को ऐतिहासिक बताया है। 'अर्जेंटीना फोरम फॉर द डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसी' ने कहा कि यह उन पीड़ितों की जीत है जिन्होंने ताकतवर लोगों के खिलाफ बोलने की हिम्मत दिखाई। अब अर्जेंटीना का विदेश मंत्रालय यह आधिकारिक अनुरोध वाशिंगटन डीसी भेजेगा, जहां अमेरिकी कानूनी विभाग इस पर विचार करेगा।मामले में अर्जेंटीना के संघीय जज ने एक वारंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस काराकास में मादुरो पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा करवाई। इसमें लोगों को प्रताड़ित करना और जबरन गायब करना शामिल है। इस मामलों में उन वेनेजुएला के नागरिकों को वादी बनाया गया है जिन्होंने सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंटों के हाथों भयानक यातनाएं झेली हैं। यह कानूनी लड़ाई साल 2023 में ब्यूनस आयर्स में मानवाधिकार संगठनों ने शुरू की थी।

पाकिस्तान के कपास निर्यात पर मंडराया संकट, ईयू और अमेरिका से ट्रेड डील के बाद भारत को बढ़ता

इस्लामाबाद ,11 फरवरी । भारत द्वारा यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ की गई अहम व्यापारिक डील से पड़ोसी देश पाकिस्तान को बड़ा आर्थिक झटका लगने की आशंका जताई जा रही है। खास तौर पर इन समझौतों का सीधा असर पाकिस्तान के कपास और वस्त्र निर्यात पर पड़ सकता है। पाकिस्तान के उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हालात में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो वैश्विक बाजार में उसकी प्रतिस्पर्धी स्थिति कमजोर हो सकती है।भारत ने जहां यूरोपीय संघ के साथ बहुप्रतीक्षित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमति जताई है, वहीं अमेरिका के साथ नई ट्रेड डील के तहत भारत पर लगाए गए आयात शुल्क में भी बड़ी कटौती की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लागू 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने का ऐलान किया है।पाकिस्तान के उद्योग जगत में बढ़ी चिंताट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, कॉटन जिनर्स फोरम के अध्यक्ष एहसानुल हक ने मौजूदा हालात को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यदि सरकार ने कपास और कपड़ा उद्योग को राहत देने के लिए तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए, तो पाकिस्तान के निर्यात में भारी गिरावट देखने को मिल सकती है। उन्होंने चेताया कि नीतिगत फैसलों में देरी से क्षेत्रीय स्तर पर लागत का अंतर और बढ़ेगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाकिस्तान की पकड़ कमजोर होती जाएगी।भारत को क्यों मिल रही है बढ़त

उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, हालात तब और चुनौतीपूर्ण हो गए जब यूरोपीय संघ ने भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क शून्य कर दिया। इसके साथ ही अमेरिका ने भारत पर टैरिफ घटाकर 18 से 25 प्रतिशत के दायरे में कर दिया है। इसके विपरीत, पाकिस्तान के उत्पादों को अमेरिकी बाजार में अब भी करीब 19 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। जानकारों का कहना है कि इस शुल्क अंतर का सीधा लाभ भारत को मिलेगा।

सरकार से राहत पैकेज की मांग

कॉटन जिनर्स फोरम ने पाकिस्तान सरकार से मांग की है कि देश में उत्पादन लागत को पड़ोसी देशों के बराबर लाया जाए, ताकि निर्यात के मोर्चे पर प्रतिस्पर्धा बनी रहे। इसके अलावा लंबे समय से लंबित रिफंड जारी करने या उन्हें सुपर टैक्स देनदारियों के साथ समायोजित करने की भी मांग की गई है

।भारत-अमेरिका ट्रेड डील से नई राहसोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के बाद भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। भारत और अमेरिका के बीच यह व्यापार समझौता करीब एक साल से चर्चा में था। अमेरिका की ओर से इस डील में यह शर्त भी रखी गई ह

ै कि भारत रूस से तेल आयात को बंद करेगा।ईयू के साथ 'मदर ऑफ ऑल डील्स'भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को व्यापक रूप से 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। दोनों पक्षों ने संकेत दिए हैं कि इस समझौते को इसी वर्ष लागू किया जा सकता है।

एलन मस्क का बदला शक्ति संतुलन: एक्सएआई विलय के बाद स्पेसएक्स बना सबसे बड़ा दांव, लेकिन टेस्ला क्यों छूटी पीछे?

दुबई ,11 फरवरी (एजेंसी)। एक्सएआई के विलय के बाद स्पेसएक्स का निजी मूल्यांकन 1.25 खरब डॉलर पहुंच गया है और यह अब एलन मस्क की संपत्ति का सबसे बड़ा आधार बन चुका है। दूसरी ओर टेस्ला के शेयर गिर रहे हैं और फोकस रोबोटैक्सी व ऑप्टिमस पर शिफ्ट हो गया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या भविष्य में मस्क की असली पहचान कारों से नहीं, अंतरिक्ष और एआई से बनेगी?

एलन मस्क की एआई कंपनी एक्सएआई के अधिग्रहण के बाद स्पेसएक्स का निजी बाजार मूल्यांकन 1.25 खरब डॉलर पहुंच गया है। यह टेस्ला के मार्केट कैप 1.58 खरब डॉलर से महज 26% कम है। कागजी तौर पर अब मस्क की कुल संपत्ति का बड़ा हिस्सा टेस्ला नहीं बल्कि स्पेसएक्स से आ रहा है। मस्कोनॉमी के इस मूल्यांकन को नकदी में बदलना बाधाओं से भरा है। विलय के बाद मस्क के कॉरपोरेट साम्राज्य में नेतृत्व का संतुलन बदलता दिख रहा है।अब तक टेस्ला मस्क की तरल संपत्ति और वैश्विक पहचान का सबसे बड़ा स्रोत रहा है, लेकिन नई डील के बाद स्पेसएक्स का मूल्यांकन बदल गया है। मस्क की स्पेसएक्स में अनुमानित 43% हिस्सेदारी है, जबकि टेस्ला में यह करीब 13% रह गई है। फोर्ब्स के अरबपति सूचकांक में मस्क की कुल कागजी संपत्ति 852 अरब डॉलर से ऊपर है, जिसमें अब आधे से ज्यादा हिस्सा स्पेसएक्स से जुड़ा हुआ है।साल की शुरुआत टेस्ला के लिए कमजोर रही2026 की शुरुआत टेस्ला के लिए कमजोर रही है। कंपनी शेयर 6% गिर चुके हैं। ब्रांड इमेज को मस्क की सियासी गतिविधियों से भी झटका लगा है। इसमें ट्रंप प्रशासन के साथ उनका काम और यूरोप में दूर-दराज दक्षिणपंथी नेताओं के प्रति समर्थन शामिल है।

रोबोटैक्सी और ऑप्टिमस पर दांव, मॉडल एस और एक्स बंदईवी बिक्री कमजोर पड़ने के बीच मस्क टेस्ला का फोकस रोबोटैक्सी राइड-हेलिंग सर्विस और ऑप्टिमस ह्यूमनॉइड रोबोट्स की ओर मोड़ रहे हैं, ऐसे क्षेत्र जहां टेस्ला को भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है और फिलहाल कोई ठोस बिजनेस मॉडल मौजूद नहीं है। जिन लाइनों पर मॉडल एस और एक्स वाहन बनते थे, वहां ऑप्टिमस रोबोट तैयार किए जाएंगे।स्पेसएक्स की पकड़ रॉकेट लॉन्च से स्टारलिंक तकस्पेसएक्स की बाजार स्थिति मजबूत है। कंपनी ऑर्बिटल लॉन्च सेवाओं की अग्रणी है और नासा तथा अमेरिकी रक्षा मंत्रालय से अरबों डॉलर का अनुबंध है। स्पेसएक्स स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा भी चलाती है। कंपनी अब आईपीओ की तैयारी कर रही है।एक खरब डॉलर स्पेसएक्स 250 अरब डॉलर एक्सएआईसीएनबीसी के अनुसार, घोषित सौदे में स्पेसएक्स का मूल्यांकन 1 खरब डॉलर व एक्सएआई का 250 अरब डॉलर रखा गया है। यह मस्क की कंपनियों के बीच दूसरा बड़ा एकीकरण है। इससे पहले पिछले साल एक्सएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को शेयर आधारित सौदे में खरीदा था। मस्क के समर्थक निवेशक और रिटेल शेयरधारक, जिनमें रॉबिनहुड जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए टेस्ला शेयर रखने वाले लोग भी शामिल हैं, इन कंपनियों को मस्कोनॉमी कहकर संबोधित करते हैं।

सम्पादकीय...

साइबर डकैती पर सख्ती

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर ठगी के मामलों पर शीर्ष अदालत का सख्त रुख वक्त की जरूरत है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में 54 हजार करोड़ रुपये का डिजिटल फ्रॉड सीधे-सीधे डकैती है। साइबर ठगी खासकर डिजिटल अरेस्ट के जरिये उपभोक्ताओं का करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने जवाबदेह हितधारकों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने सीबीआई, बैंकों, आरबीआई की कोताही पर प्रश्न खड़े किए। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इन संस्थाओं ने लोगों के खून-पसीने की कमाई को बचाने के लिये समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाये हैं। कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में कतिपय बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट का कहना था कि यह कैसे संभव है कि बैंक अधिकारियों की नाक के नीचे साइबर ठग खाताधारकों का करोड़ों रुपया ठिकाने लगाने में कामयाब हो जाते हैं। कोर्ट ने आशंका जतायी कि इन साइबर ठगी में बैंक अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत हो सकती है। साइबर ठगी को सीधी डकैती की संज्ञा देते हुए अदालत ने कहा कि इस ठगी पर रोक के लिये केंद्र सरकार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर यानी एसओपी तैयार करे। इतना ही नहीं कोर्ट ने गृह मंत्रालय को निर्देश दिया कि आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य हितधारकों के लिये चार सप्ताह में एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया जाए। बैंकों की कारगुजारी पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने कहा कि बैंकों को अहसास होना चाहिए कि वे जनता के पैसों के ट्रस्टी हैं। उन्हें जनता के भरोसे को नहीं तोड़ना चाहिए। कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई कि आखिर कैसे साइबर ठगी के लाखों केस सामने आ रहे हैं। अकसर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि डिजिटल अरेस्ट व अन्य धोखाधड़ी के मामलों में करोड़ों रुपये साइबर अपराधी दूसरे खातों में डाल रहे होते हैं तो बैंक समय पर कार्रवाई क्यों नहीं करते? जबकि बैंकों के पास डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से होल्ड करने का भी अधिकार है। इसमें दो राय नहीं कि बैंकों के पास ऐसा सिस्टम होना जरूरी है, जिसके जरिये निगरानी हो सके कि कैसे किसी के खाते से निकाली गई बड़ी धनराशि जल्दी-जल्दी दूसरे खातों में हस्तांतरित हो रही है। निश्चित तौर पर बैंकों के सुरक्षा सिस्टम को तत्काल ऐसे मामलों में संज्ञान लेना चाहिए। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को रिजर्व बैंक के बाबत टिप्पणी करनी पड़ी कि साइबर ठगी के जरिये जिन खातों से पैसा ठिकाने लगाया जाता है, उस पर संबंधित बैंकों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। यह सवाल तार्किक है कि अब तक संबंधित बैंक हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे रहे हैं? इसमें दो राय नहीं कि यदि बैंक, पुलिस और अन्य एजेंसियां समय रहते तत्काल कार्रवाई करें तो लोगों के खातों में डकैती से हुए नुकसान को कम किया जा सकता है। वैसे एक साल में बाइस लाख साइबर ठगी की शिकायतें सामने आने के बाद कहना कठिन है कि सीबीआई और अन्य एजेंसियां साइबर ठगी के मामलों में तत्काल अंकुश लगा पाएंगी। वक्त की जरूरत है पुलिस व अन्य एजेंसियों को प्रशिक्षित करके इतना सक्षम बनाया जाए कि वे इन अपराधों की संख्या पर रोक लगा सकें। यह तभी संभव है जब देश का गृह मंत्रालय, केंद्रीय बैंक और टेलीकॉम अथॉरिटी मिलकर इस दिशा में तुरत-फुरत काम करें। इसके लिये जरूरी है कि पूरे देश में यथाशीघ्र एसओपी लागू किया जाए। जिसके लिये शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह के भीतर ड्राफ्ट तैयार करने को कहा है। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि एक छोटे राज्य के सालाना बजट से अधिक करीब 54 हजार करोड़ रुपये की धनराशि साइबर डकैती से लूट ली गई है। जिसमें राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगों की भूमिका बनी हुई है। आज देश के बुजुर्गों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों व भोले-भाले लोगों को जिस तरह साइबर ठगी का शिकार बनाया जा रहा है, उसके खिलाफ केंद्र सरकार को राज्य सरकार व अन्य एजेंसियों के साथ तालमेल बनाकर युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है।

भाजपा में 'नबीन युग' की शुरुआत

अजीत द्विवेदी

भारतीय जनता पार्टी के 12वें अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की नियुक्ति हो गई है। भाजपा ने संगठन पर्व मना कर उनको अध्यक्ष के पद पर आसीन किया। पिछले महीने 14 दिसंबर को जब उनको कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया उस समय से यह चर्चा चल रही है भाजपा में ये 'नबीन युग' की शुरुआत है। यह एक वर्ड प्ले की तरह है। यहां नए अध्यक्ष के नाम के साथ एक नए युग की शुरुआत का संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन सवाल है कि क्या भाजपा में सचमुच नए अध्यक्ष के साथ नए युग की शुरुआत होगी और दूसरा सवाल यह है कि क्या सचमुच भाजपा का जो अध्यक्ष होता है उसका कोई युग होता है?

भाजपा के अब तक 11 अध्यक्ष हुए हैं लेकिन सबके कार्यकाल को उसके युग के तौर पर नहीं देखा जाता है। 45 साल पहले जब भाजपा बनी तब से मोटे तौर पर दो ही युग रहे। एक अटल-आडवाणी का युग था और अब मोदी-शाह का युग है। बाकी इनके बीच संक्रमण का काल रहा है। सो, भाजपा में यह मोदी-शाह के युग की ही निरंतरता है। हां, उसमें नितिन नबीन को अपने आप को साबित करना है। उनका कार्यकाल इस बात से साबित होगा कि वे आगे बढ़ कर कितनी चुनौतियां स्वीकार करते हैं और उसको पूरा करने में किस तरह की भूमिका निभाते हैं।

निश्चत रूप से नए अध्यक्ष का चुनाव भाजपा के नए दौर की या नए युग की शुरुआत नहीं है, बल्कि मोदी-शाह युग की निरंतरता है। इसलिए संगठन का कामकाज पहले की तरह ही चलता रहेगा। फिर भी नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का एक बड़ा संदेश आगे की राजनीति के लिए है। भाजपा ने दिखाया है कि वह आगे की राजनीति के लिए किसी तरह का प्रयोग करने का जोखिम उठाने को तैयार रहती है। यह मामूली फैसला नहीं था कि, जिस नेता के पास संगठन का सामान्य से ज्यादा कोई अनुभव न हो, जिसने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में कोई भूमिका नहीं निभाई हो और अपने राज्य में भी अपने चुनाव क्षेत्र से बाहर की राजनीति में बहुत सीमित काम किया हो उसको सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष बना दिया जाए। भाजपा ने यह किया तो इसका एक बड़ा संदेश भाजपा के नेताओं के लिए था तो साथ साथ राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के लिए भी था।

याद करें कि पिछले तीन साल में राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कितने तरह के कयास लगाए जा रहे थे। जून 2024 में लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें कम होकर 240 पर आने के बाद कैसे कहा जा रहा था कि अब राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ तय करेगा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा। संघ की पसंद के तौर पर भाजपा के कई दिग्गज नेताओं के नाम की चर्चा हो रही थी। मोदी और शाह की पसंद के तौर पर भी आधा दर्जन से ज्यादा नेताओं के नाम की चर्चा हो रही थी। लेकिन न तो जिनको संघ की पसंद बनाया जा रहा था वे अध्यक्ष बने और न जो बड़े अनुभवी और संगठन से जुड़े नेता थे वे बने। तभी नितिन नबीन का अध्यक्ष बनना एक चुनौतीपूर्ण और जोखिम वाला फैसला भी है।

नितिन नबीन से ज्यादा चुनौती मोदी और शाह की इसलिए है क्योंकि आगे के चुनाव नतीजों और संगठन के कामकाज के लिए जिम्मेदारी उनके ऊपर ही आयद होगी। इस साल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उनकी सफलता और विफलता का आकलन नितिन नबीन के कामकाज से नहीं होगा। भाजपा जीतती है तो उसका श्रेय जरूर नितिन नबीन को भी मिल सकता है लेकिन हार का ठीकरा उनके ऊपर नहीं फूटेगा। न तो विपक्ष उनको जिम्मेदार ठहराएगा और न भाजपा के नेता और कार्यकर्ता उनको जिम्मेदार मानेंगे। संगठन के मामले में मोदी और शाह के अब तक के ज्यादातर फैसले मास्टरस्ट्रोक साबित होते रहे हैं या यूं कहें कि लगातार चुनावी कामयाबी मिल रही है इसलिए संगठन में किसको कहां बैठाया गया यह ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं रह जाता है। यह बात मोटे तौर पर पार्टी संगठन के पदाधिकारियों, प्रदेश अध्यक्षों और भाजपा शासित राज्यों के ज्यादातर मुख्यमंत्रियों के बारे में भी सही है। क्योंकि हर जगह चुनाव मोदी और शाह ही लड़ते दिखते हैं। आने वाले दिनों में भाजपा की इस राजनीति की निरंतरता बनी रहेगी। अब जो काम जेपी नड्डा करते थे वह काम नितिन नबीन करेंगे। गुणात्मक रूप से कुछ भी बदलने नहीं जा रहा है। प्रतीकात्मक रूप से कुछ संदेश जरूर जाएंगे। जैसे एक संदेश अगड़ी जाति के नेता को अध्यक्ष बनाने का है। पिछले 20 साल से भारतीय जनता पार्टी अगड़ा अध्यक्ष चुनती रही है। नितिन नबीन का चुना जाना उस नीति की भी निरंतरता है। नितिन नबीन के जरिए इसका संदेश पूरे देश में होगा। एक प्रतीकात्मक संदेश पश्चिम बंगाल में भी होगा, जहां ब्राह्मण और कायस्थ भद्रलोक पहले लेफ्ट का समर्थक था और अब ममता बनर्जी का समर्थक है।

नितिन नबीन के जरिए दूसरा संदेश युवाओं का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके अध्यक्ष चुने के बाद के भाषण में कहा कि नितिन नबीन मिलेनियल युवा हैं। उनका जन्म उस साल हुआ था, जिस साल भाजपा का गठन हुआ था। यानी भाजपा के साथ ही 1980 में उनका जन्म हुआ। हालांकि 45 साल का अध्यक्ष बनना भी भाजपा के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी जब पहली बार भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष बने थे तब उनकी उम्र 44 साल थी। अमित शाह भी 49 साल की उम्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे और नितिन गडकरी जब अध्यक्ष बने थे तब उनकी उम्र 52 साल थी

इस निरंतरता के बावजूद नितिन नबीन के जरिए भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं को यह बताया गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष या किसी भी बड़े पद पर पहुंचने के लिए उम्र, अनुभव या पृष्ठभूमि बहुत अहम नहीं है। नितिन नबीन के मामले में उम्र के पहलू पर ज्यादा जोर इसलिए है क्योंकि इस समय कांग्रेस के राहुल गांधी से लेकर देश के ज्यादातर राज्यों की प्रादेशिक पार्टियों का नेतृत्व अपेक्षाकृत युवा नेताओं के हाथ में है या उनके हाथ में आने वाली है। बिहार में 36 साल के तेजस्वी यादव ने कमान संभाल ली है तो झारखंड में 50 साल के हेमंत सोरेन ने पार्टी और सरकार की कमान संभाली है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव कमान संभाल चुके हैं। तमिलनाडु में उदयनिधि स्टालिन, पश्चिम बंगाल में अभिषेक बनर्जी, महाराष्ट्र में आदित्य ठाकरे जैसे नेता कमान संभालने वाले हैं। उससे पहले भाजपा ने अपनी तीसरी पीढ़ी के नितिन नबीन को मैदान में उतार दिया है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

हड़ताल श्रमिक अधिकारों को कमजोर करती है

एस. पी. तिवारी

चार नयी श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन, भारत की विशाल श्रम शक्ति, विशेष रूप से अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए जीवन यापन में आसानी में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन सुधारों का उद्देश्य, बिना जटिल उद्योग वर्गीकरण की बाधाओं के, सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देना है। प्रत्येक श्रमिक के लिए अनिवार्य पहचान पत्र की शुरुआत करते हुए, ये संहिताएं उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभों तक सीधी पहुंच की सुविधा के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं। नियमित और अनिवार्य स्वास्थ्य जांच, श्रमिकों की भलाई में मदद करेंगी, जिससे वे स्वस्थ और अधिक उत्पादक जीवन व्यतीत कर सकेंगे। इसके अलावा, समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था, पीड़ित श्रमिकों द्वारा सामना किए जाने वाले मानसिक तनाव और अनिश्चितता को कम करने में सहायता करेगी। समग्र रूप से, ये उपाय भारतीय श्रमिकों के लिए गरिमा, सुरक्षा और समावेशी विकास पर केंद्रित एक प्रगतिशील रूपरेखा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हालाँकि, इन सकारात्मक प्रावधानों के बावजूद, राजनीतिक रूप से प्रेरित केंद्रीय श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) का एक हिस्सा अक्सर हड़ताल के प्रतिकूल प्रभाव पर पूरी तरह विचार किए बिना, हड़ताल पर उतर आता है। ऐसी हड़तालों से विशेष रूप से असंगठित अर्थव्यवस्था के लगभग 38 करोड़ श्रमिकों के पारिश्रमिक को भारी नुकसान होता है, जो अपनी जीविका के लिए दैनिक आय पर निर्भर होते हैं। उनके मुद्दों को हल करने के बजाय, बार-बार होने वाली हड़तालें रचनात्मक और कठोर सामूहिक सौदेबाजी की प्रक्रिया को कमजोर करती हैं, जिससे श्रमिकों और नियोक्ताओं दोनों के लिए न्यायसंगत और संतुलित परिणाम हासिल करने की संभावना कम हो जाती है।

समय के साथ, बार-बार हड़ताल बुलाने का प्रयास न केवल अप्रभावी साबित हुआ है बल्कि इसके परिणाम प्रतिकूल भी रहे हैं। बार-बार होने वाली हड़तालों से श्रमिकों में व्यापक थकान दिखाई पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिक ऐसे आह्वान को या तो नजरअंदाज करते हैं या उनमें शामिल नहीं होते हैं। कुछ मामलों में, श्रमिकों के एक छोटे हिस्से को उनकी इच्छा के विपरीत हड़तालों में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे इन आंदोलनों की नैतिक वैधता व सामूहिक ताकत और कमजोर हो जाती है। अंततः, यह प्रवृत्ति श्रमिक कल्याण उपायों के समग्र प्रभाव को कम करती है और श्रमिकों के बीच एकजुटता को कमज़ोर करती है।

हड़तालों के व्यापक परिणाम केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं रहते। औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, दैनिक यात्रियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ता है, और सड़क किनारे के विक्रेताओं, घरेलू श्रमिकों और छोटे सेवा प्रदाताओं की आजीविका बाधित हो जाती है। इन श्रमिकों के लिए, केवल एक दिन की आय का नुकसान भी आजीविका संकट पैदा कर सकता है, उन्हें अपनी सीमित बचत को खत्म करने तथा गंभीर आर्थिक असुरक्षा में जाने के लिए मजबूर कर सकता है।

भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) को संवाद, आपसी-बातचीत और नियोक्ताओं तथा सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्थायी सौदेबाजी और सहयोगात्मक समस्या समाधान पर आधारित एक मॉडल उत्पादन, रोजगार, और समग्र आर्थिक वृद्धि को बाधित किए बिना श्रमिकों की समस्याओं का समाधान कर सकता है। वर्तमान संदर्भ में, भारतीय केंद्रीय श्रमिक संघों को, जो धीरे-धीरे अपना प्रभाव खो रहे हैं, आत्मविश्लेषण करने और अन्यत्र अपनाई जाने वाली अधिक प्रभावी और दूरदर्शी तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है।

भारतीय श्रमिक को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ संगठित किया जाना चाहिए, जो जीवन यापन में आसानी, सामाजिक सुरक्षा और सकारात्मक सहभागिता पर जोर देता हो। विवादों का समाधान टकराव के बजाय संवाद के माध्यम से करना यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन प्रक्रिया बाधित न हो और राष्ट्रीय विकास की गति सुचारू रूप से जारी रहे। केवल ऐसे संतुलित और व्यावहारिक रणनीतियों के जरिये ही श्रमिकों के अधिकारों को वास्तविक रूप में मजबूत और दीर्घावधि में सुरक्षित किया जा सकता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

लिंक बनाए राखिए...

अशोक गौतम

वे इंकधारी जीव हैं तो मैं लिंकधारी। लिंकधारी जीव इंकधारी जीवों पर हर समय भारी पड़ते रहे हैं। इंकधारी जीव तरह तरह की इंकों से अपने नाक मुंह नीले लाल काले किए रहते हैं तो लिंकधारी पुरस्कारों से। लिंकधारी जीव के चलते ऊंचे ऊंचे लिंकों के चलते मैं ऑफिस में कोई काम नहीं करता। काम करे मेरी जूती! मैं तो अपनी कुर्सी का काम दूसरों को लताड़ झाड़ कर करवाता हूं। काम से मुझे स्कूल टाइम से ही अलर्जी थी। मेरा मानना है, ऑफिस में काम वे करते हैं जो वेतन को काम से जोड़ते हैं। मैंने वेतन को काम से जोडने की गलती कभी नहीं की। मैंने हमेशा वेतन को काम से अलग रखा है। जो वेतन को अपने ऑफिस के काम से अलग रखते हैं, नौकरी का असली स्वाद वे ही चखते हैं। शेष तो थाली में बचा चाटते हैं।

मेरा सर्विस का सर्विसशास्त्र कहता है कि वेतन वेतन होता है, काम काम! नौकरी में वेतन को काम से जोडने वाले पढ़े लिखे होने के बाद भी बिल्कुल अनपढ़ होते हैं, गंवार होते हैं। और जो नौकरी को वेतन समझते हैं, वे अव्वल दर्जे के समझदार होते हैं। व्यवस्था के झंडाबरदार होते हैं। व्यवस्था के कहार होते हैं। जो सोचते हैं कि एक न एक दिन यहां नहीं तो वहां जवाबदेही देनी पड़ेगी, वे भीरू नहीं, धर्मभीरू टाइप के जीव होते हैं। मैं धर्म के मामले में क्लियर ही नहीं आईने की तरह साफ हूं। धर्म दूसरे व्यवसायों की तरह एक व्यवसाय है। जो कल को धर्म को व्यवसाय की श्रेणी से निकाल दिया जाए तो अगले ही दिन धर्म के पहरुए नया व्यावसायिक धर्म शुरू करने में देर न करें। मैं लोक परलोक के मामले में भी निडर हूं। जिनका इस लोक में ही लोक कुछ नहीं बिगाड़ सका उनका परलोक में कोई क्या खाक बिगाड़ पाएगा? मित्रो! समाज में सब देह देह हैं, जवाबदेह कोई नहीं। कायदे से जवाबदेही उनकी बनती है जो कोई काम करें? जब काम ही नहीं तो काम की जवाबदेही कैसी? सब प्रभु इच्छा है बस! झूला टूट गया तो भी प्रभु इच्छा और पुल गिर गया तो भी प्रभु इच्छा! व्यवस्था की मुस्तैदी से सडक़ में खुदे गड्ढे में ईमानदारी गिर कर मर गई तो भी प्रभु इच्छा।

आई कन्फेस कि मेरी सफल सर्विस इधर उधर बड़े बड़े लोगों से लिंकों का ही सुपरिणाम है। इधर उधर लिंक बनाने में ही दस से पांच पता ही नहीं चलता कब बज जाते हैं। कई बार तो लिंक बनाने के चक्कर में रात को देर से घर लौटता हूं। कई सोचते हैं, बड़े बड़ों से लिंक यों ही बन जाया करते हैं। लिंक बनाना कोई बच्चों का खेल नहीं होता जनाब! ये कोई सरकारी बिल्डिंग नहीं कि एक बार बना दी और उसके बाद गिरने तक उसकी मेनटेनेंस पर कोई ध्यान नहीं दिया। मित्रो! इन्हीं लिंकों के बूते तीस साल एक ही स्टेशन पर डटा हूं। लिंकों की कृपा रही तो प्रमोशन वाली पोस्ट यहीं क्रिएट करवा यहीं से खुशी खुशी रिटायर भी हो जाऊंगा।

एपस्टीन फाइल्स का काला सच

डा. वरिंदर भाटिया

पूरे विश्व में चर्चा का विषय बनी हुई एपस्टीन फाइल्स करीब 60 लाख डॉक्युमेंट्स, इमेजेस और वीडियोज का संग्रह है जो अमेरिकी फाइनेंसर जेफ्री एपस्टीन और उनकी पार्टनर मैक्सवेल से जुड़े यौन तस्करी के मामलों पर जानकारी देती है। इसे दुनिया में बाल शोषण से जुड़े दुनिया के ऊंचे लोगों द्वारा पर्दे के पीछे किए जा रहे घटिया और थर्ड क्लास कामों का कच्चा चिट्ठा कहा जा सकता है। एपस्टीन फाइल्स में ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, ईमेल और सीक्रेट डॉक्युमेंट्स शामिल हैं, जिनमें दुनिया के नामचीन लोगों का नाम सामने आ रहा है। एपस्टीन फाइल्स से तात्पर्य उन सभी जांच दस्तावेजों, कोर्ट रिकॉर्ड, गवाहों के बयान, ईमेल, संपर्क सूची और यात्रा विवरण से है, जो जेफ्री एपस्टीन के अपराधों से जुड़े हुए हैं। एक सोशल मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसमें जो तस्वीरें सबसे ज्यादा परेशान करने वाली थीं, वे हैं 'लोलिता' के कोट वाली तस्वीरें। रूसी-अमेरिकी लेखक व्लादिमीर नबोकोव की नॉवेल 'लोलिता' 1955 में आई थी। यह एक 36 साल के आदमी के एक 12 साल की नाबालिग बच्ची के साथ शारीरिक संबंधों पर बेस्ड है। लोलिता को फ्रांस, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और अर्जेंटिना में बैन कर दिया गया था। इन तस्वीरों में दिख रहा है कि यूओन शोषण का शिकार लड़कियों के शरीर पर इस विवादित नॉवेल की लाइनें लिखी गई हैं। सुना जाता है कि एपस्टीन कोई मामूली आदमी नहीं था, इसका उठना-बैठना दुनिया के नामचीन लोगों के साथ था। न्यूयॉर्क में जन्मा एपस्टीन एक स्कूल टीचर था, लेकिन बाद में इसकी किस्मत ऐसी पलटी कि इसने जमकर पैसा और शोहरत कमाई। फ्लोरिडा में एक बड़ी हवेली खरीदी, न्यू मैक्सिको में एक खेत लिया और न्यूयॉर्क में एक शानदार और बहुत बड़ा प्राइवेट हाउस भी बनाया। धीरे-धीरे उसका उठना-बैठना मशहूर हस्तियों, कलाकारों और बड़े राजनेताओं के साथ होने लगा। कहते हैं कि सब कुछ सही चल रहा था कि एपस्टीन को 2005 में फ्लोरिडा के पाम बीच में गिरफ्तार किया गया। उस पर 14 साल की लडक़ी को यौन संबंध बनाने के लिए पैसे देने का आरोप लगा था। इसके बाद दर्जनों और नाबालिग लड़कियों ने भी बताया कि उनके साथ ऐसा ही यौन शोषण हुआ था। लेकिन 2008 में सरकारी वकीलों ने आखिर में इस अमीर आदमी पर सिर्फ एक लडक़ी से जुड़े मामले में आरोप तय किए। उसे 13 महीने की सजा हुई, जो उसने जेल के वर्क-रिलीज प्रोग्राम में काटी, यानी दिन में काम पर जाता था और बाकी समय जेल में रहता था। गार्जियन अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार एपस्टीन नाबालिग लड़कियों को हासिल करने के लिए हद तक पागल था। लड़कियां 18 साल से कम उम्र की ही हैं, यह कन्फर्म करने के लिए आईडी जांचने पर जोर दिया जाता था। साथ ही उम्र और नस्ल के आधार पर विशिष्ट प्राथमिकताएं भी थीं। सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार एपस्टीन फाइलों के तहत 30 लाख से अधिक पेपर सार्वजनिक किए गए हैं। इन फाइलों में 2000 से ज्यादा वीडियो और करीब 1 लाख 80 हजार तस्वीरें शामिल हैं। जैसे ही ये दस्तावेज सामने आए, राजनीति, शाही परिवारों और कॉरपोरेट जगत में हडक़ंप मच गया। जारी फाइलों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स और ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर जैसे बड़े नाम दर्ज हैं। इन नामों के सामने आते ही मीडिया में सवाल उठने लगे हैं कि आखिर एपस्टीन के नेटवर्क की पहुंच कितनी गहरी थी। सबसे चौंकाने वाला नाम नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट का है। दस्तावेजों में उनका नाम करीब 1000 बार सामने आया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2011 से 2014 के बीच एपस्टीन के साथ उनके ईमेल और बातचीत के सबूत मिले हैं। कुछ निजी और असहज चैट सार्वजनिक होने के बाद मेटे-मैरिट ने इसे अपनी 'शर्मनाक दोस्ती' बताया और खुले तौर पर माफी मांगी। नॉर्वे के शाही महल ने कहा कि 2014 में ही उन्होंने एपस्टीन से संपर्क तोड़ लिया था। यह खुलासा ऐसे समय आया है, जब नॉर्वे का शाही परिवार पहले ही विवादों में है।

क्राउन प्रिंसेस के बेटे मारियस बोर्ग होइबी पर रेप सहित 38 गंभीर आरोपों की सुनवाई चल रही है। ऐसे में एपस्टीन फाइल्स ने शाही परिवार की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार एंड्रयू पर भी एपस्टीन मामले में इल्जाम लग रहे हैं। सामने आई तस्वीरों और आरोपों के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि एंड्रयू को अमेरिकी कांग्रेस के सामने गवाही देनी चाहिए। पहले ही किंग चार्ल्स थ्री उनसे कई शाही उपाधियां छीन चुके हैं। आरोप है कि नाबालिग लडक़ी की तस्करी कर उनसे यौन संबंध बनाए गए थे। और तो और एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल एलन मस्क का नाम भी फाइलों में दर्ज है। 2012-13 के ईमेल में एपस्टीन और मस्क के बीच निजी द्वीप पर जाने को लेकर बातचीत दिखाई देती है। एपस्टीन कनेक्शन सामने आते ही कई कुर्सियां हिल गई हैं। स्लोवाकिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने इस्तीफा दे दिया है। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक प्रमुख केसी वासरमैन ने एपस्टीन की पूर्व प्रेमिका घिसलीन मैक्सवेल से पुराने ईमेल सामने आने पर माफी मांगी। वहीं अमेरिका में ब्रिटेन के पूर्व दूत पीटर मैंडेलसन ने लेबर पार्टी छोड़ दी, हालांकि उन्होंने आरोपों को झूठा बताया। एपस्टीन फाइल्स ने दुनियाभर में सनसनी मचाई है। लोग इन फाइलों को एक्सेस करना चाहते हैं और उन सरकारी वेबसाइटों पर जा रहे हैं जहां इन्हें अपलोड किया गया है। लेकिन अब एपस्टीन फाइल्स को एक जगह पर देखने का तरीका तैयार कर दिया गया है। इसका नाम जेमेल है। यह देखने में एकदम जीमेल की तरह है। कहते हैं इस पर जाकर जेफ्री एपस्टीन के ईमेल्स को बहुत आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस टूल को सॉफ्टवेयर इंजीनियर रहे ल्यूक इगेल और राइली वाल्ज ने मिलकर तैयार किया है। कुल मिला कर एपस्टीन फाइलों ने साफ कर दिया है कि यह मामला सिर्फ एक अपराधी तक सीमित नहीं था, बल्कि ताकत, पैसे और प्रभाव का एक गहरा जाल था। एपस्टीन फाइल्स ने जिन नामों को उजागर किया है, वे अपने देशों में किसी भी परिचय के मोहताज नहीं हैं। दस्तावेजों से साफ है कि एपस्टीन का प्रभाव किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं था। यह फाइल्स एक तरफ कुख्यात यौन अपराधी की ऊंचे लोगों को पेशेवर ब्लैकमेल करने की मनोवैज्ञानिक आदत, दूसरी तरफ विश्व के चुनिन्दा सत्ताधीशों की अतृप्त सेक्स कुंठाओं का धुंधला आईना और उनके किए जा रहे बाल यौन शोषण का काला चिट्ठा है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

नए आयकर अधिनियम के लिए मसौदा नियम और फॉर्म जारी, 22 फरवरी तक मांगी टिप्पणियां

नई दिल्ली, 11 फरवरी [एजेंसी]। आयकर विभाग ने शनिवार को नए आयकर अधिनियम, 2025 के तहत मसौदा नियम और फार्म जारी कर दिए। यह कदम करदाताओं के लिए अनुपालन को सरल बनाने और समझने में आसानी के लिए उठाया गया है। नया आयकर अधिनियम एक अप्रैल से प्रभावी होगा जो आयकर अधिनियम 1961 का स्थान लेगा।आयकर विभाग ने मसौदा आयकर नियम, 2026 और फार्म पर सभी हितधारकों से 22 फरवरी तक टिप्पणियां मांगी हैं। इसके बाद, नए अधिनियम के तहत नियम और फार्म अधिसूचित किए जाएंगे। वर्तमान आयकर नियम, 1962 में 511 नियम और 399 फार्म

शामिल हैं। नए नियमों और फार्म में प्रस्तावित परिवर्तनों के चलते मसौदा आयकर नियम, 2026 में 333 नियम और 190 फार्म शामिल होंगे। नए आयकर फार्म को करदाताओं की सुविधा के लिए सरल बनाया गया है। सामान्य जानकारी का सभी फार्म में मानकीकरण किया गया है जिससे करदाताओं के अनुपालन बोझ को कम किया जा सके। विभाग ने कहा, फार्म में पहले से ही कई तरह की जानकारी होगी जिससे फाइलिंग अधिक सहज और कम त्रुटिपूर्ण हो सके। फार्म की भाषा को भी सरल बनाया गया है ताकि परिचालन, प्रशासनिक या कानूनी अस्पष्टता से बचा जा सके।नियमों में किए गए तर्कसंगतीकरण से प्रविधानों को सरल बनाने की उम्मीद है, जो समझने में आसानी प्रदान करेगा।

नए मसौदा नियमों और फार्म के साथ, दो नेविगेटर भी प्रदान किए गए हैं। इसमें एक पुराने नियमों व नए मसौदा नियमों और दूसरा पुराने फार्म व नए मसौदा फार्म का मानचित्रण शामिल है नांगिया ग्लोबल के पार्टनर संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि पुरानी भत्तों की सीमा का तर्कसंगतीकरण एक महत्वपूर्ण सुधार है। नए आयकर अधिनियम के तहत एकाउंटेंट की परिभाषा में भी महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है।जिससे करदाताओं के अनुपालन बोझ को कम किया जा सके। विभाग ने कहा, फार्म में पहले से ही कई तरह की जानकारी होगी जिससे कम त्रुटिपूर्ण हो सके।

सांसद पप्पू यादव 31 साल पुराने मामले मेंगिरफ्तार : भारी हंगामे और हत्या की आशंका के बीच पटना पुलिस की कार्रवाई

पटना ,07 फरवरी (एजेंसी)। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को शुक्रवार देर रात पटना पुलिस ने उनके मंदिरी स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी 31 साल पुराने एक मामले में कोर्ट द्वारा जारी वारंट के आधार पर की गई है। गिरफ्तारी के दौरान करीब तीन घंटे तक हाई-वोल्टेज ड्रामा चला, जिसमें पप्पू यादव के बेहोश होने और समर्थकों के भड़कने की खबरें भी सामने आईं। 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने डाला की टीम पप्पू यादव के आवास पर पहुंची।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से दो दिन पहले मंत्री विजय शाह ने फिर मांगी माफी

भोपाल, 11 फरवरी [एजेंसी]। कर्नल सोफिया कुरैशी पर अशालीन टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट में 9 फरवरी को होने वाली सुनवाई से ठीक दो दिन पहले मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री विजय शाह ने फिर माफी मांगी। विजय शाह ने वीडियो जारी कर कहा, मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं, आज मैं फिर दोहरा रहा हूं, मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज के किसी भी वर्ग का अपमान हो। विजय शाह बीजेपी में आदिवासी समाज का बड़ा चेहरा हैं। आठ बार से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। मध्य प्रदेश में सत्ता की चाबी आदिवासियों के हाथ में रहती है। यही कारण है कि बीजेपी हो या कांग्रेस, दोनों का प्रयास जनजातीय वर्ग को साध कर

रखने का होता है। विजय शाह ने आगे कहा, निस्संदेह मेरे शब्द, मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे। ये शब्द देशभक्ति के उत्साह, उत्तेजना और आवेश में निकले थे। गलती के पीछे की भावना देखी जानी चाहिए। भविष्य में वाणी पर नियंत्रण रहेगा और ऐसी गलती नहीं होगी। 19 जनवरी को इस मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार से दो हफ्ते के भीतर विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए अभियोजन की स्वीकृति संबंधी निर्णय लेने को कहा था। इसकी सीमा बीत चुकी है। विजय शाह इस अशालीन टिप्पणी को लेकर चार बार माफी मांग चुके हैं। 11 मई 2025 को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लिए बिना यह टिप्पणी की थी। उन्होंने पिछले साल 13, 14 और 23 मई और फिर आज शनिवार को माफी मांगी।

आराम था हराम, करते थे परेशान: पाकिस्तान की जेल में काटे 7 साल, भारत लौटे प्रसन्नजीत ने सुनाई आपबीती

बालाघाट, 11 फरवरी [एजेंसी]। पाकिस्तान की लाहौर सेंट्रल जेल में सात साल बिताने के बाद मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले का प्रसन्नजीत रंगारी अब अपने घर लौट आया है। जब उससे पूछा गया कि क्या जेल में यातनाएं मिलती थीं तो उसने कहा कि वहां आराम नहीं करने देते थे और परेशान करते थे।दोबारा पूछने पर उसने जवाब बदलते हुए कहा कि जेल में सब ठीक था। दरअसल, मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के चलते वह स्पष्ट नहीं बोल पा रहा है। प्रसन्नजीत ने बताया कि जेल में सुबह नाश्ते में चाय-रोटी मिलती थी। दोपहर में खाना मिलता था, जिसमें कभी-कभी मटन-चावल होता थे। वह जेल में सफाई का काम करता था। घर में उत्सव जैसा माहौल, प्रसन्नजीत अपनी बड़ी बहन संघमित्रा खोबरागड़े के घर में है। उसकी वापसी से पूरा परिवार खुश नजर आया और घर में उत्सव जैसा माहौल था। प्रसन्नजीत ने बताया कि वह जबलपुर से

ट्रेन में बैठकर दिल्ली चला गया था। वहां से पाकिस्तान कैसे पहुंचा, उसे पता नहीं।

मुंबई में जूतों ने फंसाया सीरियल चेन स्नैचर: कारोबारी मोहन कोकाटे की गिरफ्तारी, इसलिए करता था चोरी?

मुंबई। मुंबई और नवी मुंबई में हाल के दिनों में लगातार हो रही चेन छीनने की घटनाओं का मुख्य आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। सायन पुलिस ने 49 वर्षीय मोहन कोकाटे को गिरफ्तार किया है, जो पहले एक कारोबारी था लेकिन ऑनलाइन कैसीनो और जुए की लत के कारण कर्ज में डूबकर चेन स्नैचर बन गया। आरोपी ने पहचान छिपाने के लिए हर अपराध के दौरान हेलमेट पहना, कपड़े बदले और सावधानी बरती, लेकिन एक ही जोड़ी जूते पहनने की उसकी आदत ही उसकी गिरफ्तारी का सबसे बड़ा सुराग साबित हुई। पुलिस ने विभिन्न स्थानों के लगभग 80 सीसीटीवी फुटेज की गहन चेकिंग की।

अमित शाह बोले- मेक इन इंडिया और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

नईदिल्ली, 11 फरवरी [एजेंसी]। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते को देश के तेज रफ्तार विकास इंजन को नया बल देने वाला कदम बताया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर उन्होंने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में अहम है और इससे मेक इन इंडिया, किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप इनोवेटर तथा मछुआरों को बड़ा लाभ मिलेगा, साथ ही युवाओं और महिलाओं के लिए

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। दोनों देशों ने शनिवार को द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा की। संयुक्त बयान के अनुसार, यह पहल फरवरी 2025 में शुरू हुई व्यापक वार्ताओं की निरंतरता है। समझौते के तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, जबकि भारत अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कई खाद्य-कृषि वस्तुओं पर शुल्क समाप्त या कम करेगा। समझौते के पहले हिस्से पर मध्य मार्च तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

छोटे कर्ज के लालच में बड़ा नुकसान, लोन ऐप्स के जाल में फंसकर गंवाए ३६ लाख रुपये

नई दिल्ली,11 फरवरी (एजेंसी)। हैदराबाद के सनथ नगर निवासी एक 46 वर्षीय व्यक्ति को अवैध डिजिटल लोन ऐप्स के जाल में फंसकर 36.16 लाख रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा। लोन रडार और क्रिक फंड्स जैसे ऐप्स ने पहले छोटे कर्ज का लालच दिया और बाद में इसे एक बड़े जबरन वसूली रैकेट में बदल दिया। अगस्त 2025 में पीड़ित ने गूगल प्ले स्टोर से लोन रडार और क्रिक

फंड्स नामक ऐप्स डाउनलोड किए थे। शुरुआत में छोटी रकम उधार ली गई थी, जिसे समय पर चुका भी दिया गया। हालांकि, इन एप्स ने बिना सहमति के पीड़ित के बैंक खाते में बड़ी रकम भेजनी शुरू कर दी। लोन की अवधि सात दिन बताई गई थी, लेकिन छठे दिन से ही धमकियां और अश्लील तस्वीरें भेजने का सिलसिला शुरू हो गया।

सात फेरों का खूनी अंत: पारिवारिक कलह में पति ने पत्नी को मारी गोली, मौके पर हुई मौत

ग्वालियर, 11फरवरी [एजेंसी]। शहर के थाटीपुर स्थित दर्पण कालोनी में रात करीब 11 बजे सनसनी फैल गई। जब एक के बाद एक गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका गूंज उठा। यहां एक सिरफिरे युवक ने अपनी ही पत्नी की घर के अंदर गोलियों से भूनकर हत्या कर डाली। छोटी-छोटी बात पर दंपती के बीच रोज झगड़ा होता था। रोज की पारिवारिक कलह का खूनी अंत हुआ, जिसमें महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना के तुरंत बाद ही पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया। उसके पास से कट्टा भी मिल गया है, जिससे उसने एक के बाद एक पांच गोलियां अपनी पत्नी के सिर, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों में उतार दीं। मृतका का नाम रुचि तोमर है। उसकी शादी करीब 16 वर्ष पहले मुरैना के पोरसा निवासी सोनू तोमर से हुई थी। कई सालों से यह परिवार दर्पण कालोनी में ही रह रहा था। सोनू की मां भी यहीं रहती थी। जिस समय दिल दहला देने वाली यह वारदात हुई, तब घर में सोनू और रुचि के बच्चे व सोनू की मां भी मौजूद थी। घटना के बाद एएसपी अनु बेनीवाल, थाना प्रभारी थाटीपुर विपेंद्र सिंह चौहान फोरेंसिक टीम

के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम की जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया गया। रविवार सुबह पोस्टमार्टम हो गया। पुलिस आरोपित को थाने ले गई। यहां उससे पूछताछ चल रही है। घटनास्थल से पुलिस को चले हुए कारतूस भी मिले हैं।

सोनू तोमर शराब का नशा करता था। वह शराब पीकर घर पहुंचता था और अक्सर पत्नी के साथ झगड़ा करता था।वह काम भी नहीं करता था।

इसके चलते रुचि कुछ माह अपने मायके में भी रही, लौटकर आई तो फिर से सोनू से झगड़ा होने लगा। रुचि के बारे में बताया गया है कि जब सोनू से उसका झगड़ा होने लगा तो उसने खाना तक बनाना बंद कर दिया। इस बात पर अक्सर झगड़ा होता था। सोनू और रुचि की बेटी 14 वर्ष की है। उससे छोटा बेटा है। बेटी सीमा(परिवर्तित नाम) इस वारदात की चश्मदीद है। खाना बनाने को लेकर ही झगड़ा हुआ था। इसके बाद सोनू और रुचि कमरे के अंदर झगड़ रहे थे। बहुत शोर कमरे के अंदर से आ रहा था। बेटा-बेटी डरे सहमे दादी के पास चले गए।अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा घर गूंज उठा।

बेटी दौड़कर पहुंची तो कमरे के अंदर रुचि खून से लथपथ पड़ी थी, पिता के हाथ में कट्टा था। वह मां की लाश देखकर चीख पड़ी। आसपास के लोग भी आ गए। तब पुलिस को सूचना दी गई। पारिवारिक कलह के दुखद अंत में अब सोनू और रुचि के दोनों बच्चों के भविष्य पर भी संकट है। मां दुनिया छोड़ गई, मां की हत्या करने पर अब पिता जेल जाएगा। आसपास के लोग भी बच्चों को ढांढस बंधा रहे थे।

तेलंगाना फॉरेंसिक लैब में लगी आग, जब्त कप्यूटर हार्ड डिस्क जलीं

हैदराबाद,11 फरवरी [एजेंसी]। तेलंगाना फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) के एक कमरे में शनिवार को आग लग गई। इसमें जब्त की गईं वस्तुएं मसलन कप्यूटर हार्ड डिस्क, कागजात आदि रखे थे जो अधिकांश जल गए। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।गनीमत रही कि इस इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। उधर, केंद्रीय कोयला मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता जी किशन रेड्डी ने सरकार से इस मामले पर स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है और कंप्यूटर में जांच से संबंधित डाटा था, जो जल गया।

अधिकारियों ने बताया कि आग की चपेट में आए पहली मंजिल के कमरे में हार्ड डिस्क, कागजात जैसी चीजें रखी थीं। आग लगने की सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की टीम और पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। आग बुझाने के लिए पांच अग्निशामक गाड़ियां और एक अग्निशामक रोबोट लगाया गया।प्रारंभिक जांच के आधार पर एक अग्निशामक अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण बिजली का शार्ट-सर्किट हो सकता है।

हालांकि, सटीक कारण की जांच की जा रही है। इस बीच केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जल गए कंप्यूटरों का बैकअप है या नहीं(उन्होंने दावा किया कि एफएसएल में हाई प्रोफाइल मामलों से संबंधित साक्ष्य और डाटा मौजूद था, जिसमें कैश-फॉर-वोट और टेलीफोन टैपिंग आदि भी शामिल हैं। कैश-फॉर-वोट मामला 2015 में टीडीपी विधायक रहे मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर लगे आरोपों से जुड़ा है, जिसमें उन पर एमएलसी चुनाव के सिलसिले में एक नॉमिनेटेड विधायक को रिश्वत देने की कोशिश करने का आरोप है।

कांग्रेस नेताओं ने किए महिलाओं की ओर अभद्र इशारे सीएम हिमंत सरमा ने एफआईआर दर्ज करने के दिए निर्देश

गुवाहाटी, 11 फरवरी [एजेंसी]। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने पुलिस को हाल की एक राजनीतिक रैली के दौरान महिलाओं के प्रति कथित अभद्र इशारे करने के आरोप में तीन कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। सरमा के अनुसार आरोपित नेताओं में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा और राज्य महिला कांग्रेस अध्यक्ष मीरा बोरठाकुर शामिल हैं, जो उस वक्त घटनास्थल पर मौजूद थीं।मुख्यमंत्री ने दावा किया कि गुवाहाटी में हुई रैली के दौरान बस के ऊपर से अशोभनीय इशारे किए गए, जिसे उन्होंने असम की महिलाओं का सामूहिक अपमान बताया।

कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में सरमा ने कहा कि पुलिस महानिदेशक को उपयुक्त कानूनी प्रावधानों के तहत आपराधिक मामला दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संबंधित वीडियो क्लिप महिला आयोग को भेजने को भी कहा गया है ताकि आयोग

इस पर संज्ञान ले सके। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से आरोपित नेताओं पर पार्टी स्तर पर कार्रवाई की भी मांग की। वहीं देबब्रत सैकिया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कुछ नहीं हुआ और वह केवल चल रही बातचीत पर हंस रहे थे। कांग्रेस की ओर से औपचारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

पाकिस्तान नहीं जाएगा सिंधु का पानी दिल्ली-हरियाणा-पंजाब को होगा सीधा लाभ

जयपुर, 11 फरवरी [एजेंसी]। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल ने जयपुर में कहा कि सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान को नहीं दिया जाएगा। देश के जल संसाधनों का उपयोग पहले भारत के हित में किया जाएगा और इस दिशा में सरकार ठोस कदम उठा रही है। पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोक कर देश के विभिन्न राज्यों को दिया जाएगा। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा आदि राज्यों को इस पानी का सीधा लाभ

मिलेगा।पाटिल ने कहा कि पाकिस्तान जाने वाले पानी को डायवर्ट करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। फिलहाल सबसे कम पानी राजस्थान के पास है। लेकिन आने वाले समय में सबसे अधिक पानी राजस्थान के पास होगा।जल जीवन मिशन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि घर-घर पानी पहुंचाना राज्यों की जिम्मेदारी है। लेकिन केंद्र सरकार ने पहली बार इस योजना के तहत राज्यों को 50 प्रतिशत वित्तीय सहायता दी है। इस मिशन से जुड़ी चार हजार से अधिक शिकायतें मिली हैं, जिनकी जांच के लिए 119 टीमें गठित की गई थी। दोषियों पर कार्रवाई भी की गई है जिनमें राजस्थान के एक पूर्व मंत्री भी शामिल हैं।

कोटा में तीन मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग ढही, दो लोगों की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

जयपुर, 11 फरवरी [एजेंसी]।राजस्थान के कोटा में शनिवार रात नौ बजे बाद कंपन के साथ एक तीन मंजिला भवन के गिर गया। इसके मलबे में दबकर एक युवक व महिला की मौत हो गई। दो दर्जन से अधिक लोग मलबे में दबे हुए थे, जिनमें से देर रात तक दस लोगों को बाहर निकाल लिया गया था। घायलों में चार की हालत गंभीर है। जिला कलक्टर पीयूष सामरिया ने बताया कि मलबे में अभी कुछ लोग दबे हैं। हालांकि इनकी सही संख्या बताना मुश्किल है। सूत्रों के मुताबिक, मलबे में छह से सात लोगों के और दबे होने की आशंका है। राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, भाजपा विधायक संदीप शर्मा व जिला कलक्टर पीयूष सामरिया मौके रहकर रेस्क्यू ऑपरेशन पर निगरानी रख रहे थे। आसपास के लोगों ने बताया कि अचानक तेज आवाज के साथ भवन गिर गया। हादसे के बाद सुरक्षा कारणों से क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बंद की गई है। क्षतिग्रस्त भवन के पीछे एक तीन मंजिला मकान में पिछले कई दिनों से काम चल रहा था। प्रतिदिन ड्रिल मशीन और हैमर सहित अन्य मशीनें चलती रही थीं, जिससे क्षतिग्रस्त हुए भवन में तीन दिन से कंपन हो रहा था। शनिवार रात नौ बजे बाद अचानक

भवन गिर गया। अलवर में खनन के दौरान सौ फीट गहरी खाई में गिरा पोकलेन ऑपरेटरअलवर में खनन के दौरान पहाड़ का एक हिस्सा ढह जाने से पोकलेन मशीन और उसका ऑपरेटर करीब सौ फीट गहरी पानी से भरी खाई में गिर गया। खाई में गिरा ऑपरेटर बिहार के बक्सर का रहने वाला है।हादसा शुक्रवार देर शाम हुआ, लेकिन अंधेरे के कारण बचाव कार्य शुरू नहीं किया जा सका। शनिवार सुबह एनडीआरएफ ने रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया। तमाम प्रयास के बावजूद शाम तक परेटर को बाहर नहीं निकाला जा सका था। स्थानीय तहसीलदार ने बताया कि गहरी खाई में पानी भरे होने से बचाव कार्य में मुश्किल आ रही है। लोगों ने बताया कि पहाड़ से करीब 50 टन मलबा व पत्थर नीचे गिरा, जिनकी चपेट में पोकलेन मशीन और उसका ऑपरेटर आ गया। आरोप है कि वहां अवैध खनन भी हो रहा था। राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, भाजपा विधायक संदीप शर्मा व जिला कलक्टर पीयूष सामरिया मौके रहकर रेस्क्यू ऑपरेशन पर निगरानी रख रहे थे। आसपास के लोगों ने बताया कि अचानक तेज आवाज के साथ भवन गिर गया। हादसे के बाद सुरक्षा कारणों से क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बंद की गई है। क्षतिग्रस्त भवन के पीछे एक तीन मंजिला मकान में पिछले कई दिनों से काम चल रहा था। प्रतिदिन ड्रिल मशीन और हैमर सहित अन्य मशीनें चलती रही थीं, जिससे क्षतिग्रस्त हुए भवन में तीन दिन से कंपन हो रहा था। शनिवार रात नौ बजे बाद अचानक भवन गिर गया। अलवर में खनन के दौरान सौ फीट गहरी खाई में गिरा पोकलेन ऑपरेटरअलवर में खनन के दौरान पहाड़ का एक हिस्सा ढह जाने से पोकलेन मशीन और उसका ऑपरेटर करीब सौ फीट गहरी पानी से भरी खाई में गिर गया।

छत्तीसगढ़ में 1.61 करोड़ के इनामी 51 माओवादियों का समर्पण, कई हथियार सुरक्षा बलों को सौंपे

जगदलपुर,11 फरवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सुकमा और बीजापुर जिलों में शनिवार को 51 सक्रिय माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया। इन पर एक करोड़ 61 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें 34 महिलाएं शामिल हैं। सुकमा जिले में 76 लाख रुपये के इनामी 21 माओवादियों ने समर्पण किया। इनमें तीन डिविजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) और पांच एरिया कमेटी मेंबर (एसीएम) शामिल हैं। सुकमा में समर्पण के दौरान माओवादियों ने तीन एके-47, दो एसएलआर समेत कई हथियार सुरक्षा बलों को सौंपे।वहीं, बीजापुर जिले में साउथ सब जोनल ब्यूरो से जुड़े 85 लाख रुपये के इनामी 30 माओवादियों ने भी समर्पण किया। इनमें 20 महिलाएं शामिल हैं। बीजापुर में समर्पण करने वाले माओवादी कंपनी पीपीसीएम , जनताना सरकार अध्यक्ष जैसे पदों पर सक्रिय थे। उल्लेखनीय है कि एक जनवरी 2024 से अब तक अकेले बीजापुर जिले में 918 माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं, जबकि 1,163 गिरफ्तार किए गए हैं और 232 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

रायपुर रेल मंडल में एंबुश टिकट चेकिंग:62 हजार से ज्यादा का जुर्माना वसूला, 31 अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम ने 5 ट्रेनों में मारा छापा

रायपुर,11 फरवरी (एजेंसी)।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग ने मांढ़र स्टेशन पर एंबुश टिकट चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 31 अधिकारियों और कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने 5 लोकल पैसेंजर और मेमू ट्रेनों में सघन जांच की। जांच के दौरान बिना टिकट, अनियमित टिकट, धूम्रपान और अन्य उल्लंघनों के कुल 200 मामले पकड़े गए, जिनसे ?62,430 का राजस्व रेलवे को प्राप्त हुआ।दरअसल, स्श्वष्टक्र का वाणिज्य विभाग यात्रियों में टिकट लेकर यात्रा करने की जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देशन में मांढ़र स्टेशन पर एंबुश टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया।जांच टीम ने रायपुर-बिलासपुर मेमू (68728), गोंदिया-झारसुगुड़ा पैसेंजर (68861), गेवरा रोड-रायपुर पैसेंजर (68745), बिलासपुर-रायपुर पैसेंजर (58201) और गेवरा रोड-रायपुर पैसेंजर (58203) इन पांच लोकल पैसेंजर और मेमू ट्रेनों में जांच की है।इनमें बिना टिकट यात्रा कर रहे 188 मामलों में 56,415, अनियमित टिकट के 9 मामलों 5,515, धूम्रपान के 2 मामलों में -400 और सी केस के 1 मामले 100 कुल ?62,430 जुर्माना वसूला गया।इस एंबुश टिकट चेकिंग अभियान में सहायक वाणिज्य प्रबंधक अविनाश कुमार आनंद सहित 3 मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, 2 वाणिज्य निरीक्षक, 18 टिकट चेकिंग स्टाफ, 8 आरपीएफ कर्मीमौजूद रहे। स्टेशन परिसर और लोकल ट्रेनों में सघन जांच की गई।रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के लिए उचित टिकट और स्टेशन में प्रवेश से पहले प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य खरीदें। साथ ही रेलगाड़ियों और रेल परिसर को साफ-सुथरा रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

वेल्डिंग के दौरान फैक्ट्री में आग 6 घंटे में 15 धमाके, दहशत

रायपुर,11 फरवरी (एजेंसी)।भनपुरी इंडस्ट्रियल एरिया की टार फैक्ट्री में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई। टार प्रोडक्ट्स में लगी आग की लपटें दिनभर धू-धू कर जलती रही।

इस दौरान 6 घंटे में एक के बाद एक हुए 15 धमाकों से भनपुरी इलाके में दहशत रहा। हालांकि इस आगजनी से जनहानि नहीं हुई। इंडस्ट्रियल एरिया से करीब 500 मीटर दूरी पर भनपुरी और उरकुरा के रिहायशी इलाकों में रहने वाले कुछ बुजुर्गों को सांस और आंखों में जलन की समस्या हुई।इन सभी को तत्काल इलाज उपलब्ध कराया गया। आग बुझाने में दमकल टीम को 7 घंटे से अधिक का समय लग गया। जानकारी के अनुसार रायपुर टार प्रोडक्ट्स फैक्ट्री के भीतर शेड निर्माण के लिए वेल्डिंग काम किया जा रहा था। फैक्ट्री में करीब 12 वर्कर मौजूद थे।12.30 बजे के वेल्डिंग से होने वाली चिंगारी, ऑयल से सनी बोरियों व अन्य सामाग्री में गिरी। यहीं से धीरे-धीरे आग बढ़ने लगी। समय रहते फैक्ट्री में कार्यरत सभी वर्कर बाहर निकले। दोपहर 1 बजते ही आग भड़क उठी और ऑयल बैरल और टैंकर में ब्लास्ट होते रहे। इससे निकलने वाला गुब्बार रायपुर के दूसरे छोर से भी देखा जा सकता था।भास्कर एक्सपर्टआग से बढ़ा वायु प्रदूषण, कैंसर का खतराटार में मौजूद बेंजिन के जलने से कैंसर का गंभीर खतरा पैदा होता है। टार फैक्ट्री में आग लगने पर ऑयल स्लज, कार्बनिक स्लज और वेस्ट ऑयल के जलने से बेंजिन व बेंजोपाइरीन युक्त काला धुआं निकलता है। इससे राजधानी के वायुमंडल में 1.5 से

2 टन अतिरिक्त कार्बन लोड बढ़ गया। आगजनी रोकने फैक्ट्रियों में एसओपी का सख्ती से पालन जरूरी है। -प्रो. शम्स परवेज, विभागाध्यक्ष रसायनशास्त्र, रविविलंग्स इंजरी का खतरा, हफ्तेभर मास्क जरूरीटार के जलने से निकलने वाले रसायन लंग्स और आंखों पर असर डालते हैं। अधिक खतरा फेफड़ों को होता है। ये रसायन हवा में लंबे समय तक बने रहते हैं। फैक्ट्री के आसपास रहने वालों को एक सप्ताह तक मास्क व चश्मा पहनना चाहिए। लापरवाही से 2 हफ्ते में गंभीर लंग्स संक्रमण हो सकता है।

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

रायपुर, 11 फरवरी (एजेंसी)। सुंदरनगर स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी सहित हजारों रुपए के जेवर पार कर दिया। मामले में डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी व्यास नारायण शुक्ला 87 वर्ष सीता निवास सुंदरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी रकम सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 70 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ऑनलाइन विज्ञापन के झांसे में आकर युवती ने गवाएं 2 लाख

रायपुर, 11 फरवरी (एजेंसी)। अज्ञात व्यक्ति ने ओएलएक्स में कैमरा बेचने का विज्ञापन देकर युवती से दो लाख रुपए ठग लिए। महामाया मंदिर पुरानी बस्ती निवासी भव्या देवांगन 23 ने सोमवार आधी रात रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने सोमवार शाम ओएलएक्स पर कैमरा बेचने का विज्ञापन देख विज्ञापनदाता से फ़ोन नंबर 9142986462 पर संपर्क किया। उस व्यक्ति ने यूपीआई के जरिए अपने बताए खाते में 2 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिया। दो दिन कैमरा डिलीवरी का इंतजार करने ठगे जाने का अहसास होने पर भव्या ने कल रात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

होटल में फायरिंग की अफवाह से सनसनी, पुलिस बोली-स्थिति सामान्य

अंबिकापुर,11 फरवरी (एजेंसी)। शहर के मध्य स्थित देव होटल के आसपास शुक्रवार शाम कथित गोली चलने की खबर से हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने दो राउंड फायरिंग जैसी आवाज सुनने की बात कही, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही कोतवाली और गांधीनगर थाना पुलिस के साथ वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पड़ताल शुरू की।

हालांकि अधिकारियों ने अब तक गोली चलने की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि जांच में फिलहाल किसी भी तरह की फायरिंग के प्रमाण नहीं मिले हैं। गनीमत रही कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अमोलक सिंह ढिल्लो, एएसपी सरगुजा ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते हनी सिंह नामक युवक का कुछ लोगों ने बनारस रोड पर पीछा किया और वाहन रोकने की कोशिश की थी। युवक बाद में अपने होटल पहुंच गया। इसी दौरान इलाके में फायरिंग की चर्चा फैल गई, लेकिन संबंधित व्यक्ति ने किसी घटना से इनकार किया है।एएसपी के मुताबिक, यह मामला अफवाह प्रतीत होता है और क्षेत्र में हालात पूरी तरह सामान्य हैं। पुलिस ने कार से पीछा किए जाने की शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी है और पूरे मामले की जांच जारी है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में फरार पीडब्ल्यूडी कर्मचारी गोरखपुर से गिरफ्तार

दुर्ग,,11 फरवरी (एजेंसी)। नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म प्रकरण में फरार चल रहे पीडब्ल्यूडी विभाग के टाइमकीपर को पुलिस ने आखिरकार पकड़ लिया है। आरोपी राजू कश्यप उर्फ कृपा शंकर को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से हिरासत में लिया गया। दुर्ग पुलिस की विशेष टीम उसे ट्रांजिट प्रक्रिया पूरी कर छत्तीसगढ़ लाने के लिए रवाना हो चुकी है।पुलिस के मुताबिक, आरोपी मूल रूप से गोरखपुर का रहने वाला है और नौकरी लगने के बाद परिवार सहित दुर्ग में रह रहा था। मामला दर्ज होने के बाद वह फरार हो गया था और अपने रिश्तेदारों के यहां छिपा हुआ था। आरोपी तक पहुंचने के लिए पुलिस ने तकनीकी मदद ली। कॉल डिटेल रिकॉर्ड, मोबाइल टॉवर लोकेशन और अन्य डिजिटल इनपुट के जरिए उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। लोकेशन स्पष्ट होते ही पुलिस ने दबिश देकर उसे पकड़ लिया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

वृद्ध महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार,11 फरवरी (एजेंसी)। बीमार अशक्त वृद्ध महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि 6 फरवरी के दोपहर लगभग 2 बजे आरोपियों द्वारा एक बीमार अशक्त वृद्ध महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। साथ ही इस दौरान उपस्थित एक आरोपी ऐसा गलत काम करने में संरक्षण देते हुए वहां पर खड़ा था। प्रार्थिया के वहां पर आने पर दोनों आरोपी उसे देखकर तत्काल वहां से भाग गए। मामले में संलिप्त दो आरोपी श्याम यादव 36 वर्ष निवासी नयापारा और मोहन पंजवानी 65 वर्ष निवासी बलौदाबाजार को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा वृद्ध महिला के साथ दुष्कर्म करना एवं दूसरे आरोपी द्वारा इस गलत काम में संरक्षण देते हुए पहले आरोपी का सहयोग करना स्वीकार किया गया।

धमतरी निवेश क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

धमतरी,11 फरवरी (एजेंसी)।धमतरी निवेश क्षेत्र में सुव्यवस्थित एवं नियोजित विकास सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा अवैध प्लॉटिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। निवेश क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रुद्री, कोर्रा, भटगांव, श्यामतराई, अर्जुनी एवं खपरी में कृषि भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति कॉलोनियां विकसित कर भूखंडों का अवैध विक्रय किए जाने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। शिकायतों के आधार पर नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा विस्तृत जांच की गई, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके पश्चात सहायक संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग धमतरी द्वारा छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 36 एवं 37 के अंतर्गत संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए। निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर राजस्व विभाग, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग एवं नगरीय निकाय की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई अमल में लाई गई। दिनांक 5 एवं 6 फरवरी 2026 को संयुक्त टीम ने ग्राम रुद्री, कोर्रा, भटगांव, श्यामतराई एवं खपरी में की जा रही अवैध प्लॉटिंग को हटाने की कार्रवाई की। वहीं ग्राम अर्जुनी में गुजराती कॉलोनी के पीछे निर्मित अवैध पहुंच मार्ग को ध्वस्त कर मार्ग विच्छेदन किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य स्थानों पर अवैध प्लॉटिंग हेतु खोदे गए गड्ढों को भी हटाया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धमतरी निवेश क्षेत्र में अनियोजित विकास को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी इसी प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। यह पहल क्षेत्र के समग्र, सुरक्षित एवं पारदर्शी विकास के साथ-साथ आम नागरिकों और निवेशकों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से की जा रही है।

बिल्डिंग ठेकेदार के घर 3 लाख की चोरी

दुर्ग, 11 फरवरी (एजेंसी)। जिले में चार से ज्यादा चोरों ने बिल्डिंग ठेकेदार के घर में लाखों रुपए की चोरी चोरी को अंजाम दिया है। चोरों ने सोने-चांदी के जेवर और बड़ी रकम के कैश चोरी कर लिए। यह मामला अमलेश्वर थाना इलाके की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी और अन्य सबूतों से आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ भी कर रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा किया गया है। पीड़ित ने चोरी हुए जेवरात से जुड़े करीब 18 बिल भी पुलिस को दिए हैं। ग्राम मोतीपुर खम्हरिया रोड में रे थाना अमलेश्वर में शिकायत दी

मॉडिफाई साइलेंसर पर रायपुर पुलिस सख्त:15 दिन में 160 गाड़ियों के मालिक पर एक्शन, अफसरों की वाहन स्वामियों से अपील; नियमों का पालन करें

रायपुर,11 फरवरी (एजेंसी)।राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद यातायात व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाए रखने के लिए रायपुर यातायात पुलिस लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है। यातायात नियम तोड़ने वाले वाहन स्वामियों पर अभियान चलाकर 15 दिन के अंदर 160 गाड़ियों के मालिक पर एक्शन लिया है।

पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला के निर्देश पर बुलेट चालकों द्वारा मानक के विपरीत मॉडिफाई साइलेंसर का उपयोग कर तेज आवाज और पटाखे जैसी ध्वनि निकालने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस का कहना है कि इस तरह की आवाज से न सिर्फ आम नागरिकों को परेशानी होती है, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों में दुर्घटना का डर भी बना रहता है।अभियान को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने किया लीडवरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला एवं दौलत राम पोर्ते के निर्देशन में यातायात पुलिस ने पिछले 15 दिनों में अभियान चलाकर 160 से अधिक बुलेट वाहनों पर कार्रवाई की है। इस दौरान मॉडिफाई साइलेंसर जब्त किए गए हैं।साथ ही ऐसे साइलेंसर बेचने वाले फर्म और लगाने वाले दुकानदारों पर भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।90 शराबी वाहन चालक गिरफ्तारमॉडिफाई साइलेंसर पर कार्रवाई करने के साथ देर रात नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी

अभियान तेज किया गया है। पिछले 15 दिनों में 90 से अधिक शराबी वाहन चालकों पर मोटरयान अधिनियम की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई। सभी मामलों को कोर्ट भेजा गया, जहां न्यायालय द्वारा प्रत्येक पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।अफसरों ने वाहन स्वामियों से की अपीलयातायात पुलिस के अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की है कि नियमों का पालन करें, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन न चलाएं, चारपहिया में सीट बेल्ट जरूर लगाएं, मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें और नशे की हालत में वाहन बिल्कुल न चलाएं।

अलग-अलग क्षेत्र से दो एक्टिवा वाहन पार

रायपुर, 11 नवम्बर (एजेंसी)। राजधानी रायपुर के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो एक्टिवा वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में श्यामनगर तेलीबांधा निवासी संजय कुमार बलानी 43 वर्ष ने सिविल लाइन थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 केआर 3439 को संतकंवर स्कूल के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 5 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

64 साल की महिला से मकान मालिक ने किया गैंगरेप:चल फिर नहीं सकती थी, बेड पर बीमार पड़ी थी, साथी संग मिलकर दुष्कर्म

बलौदाबाजार,11 फरवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में एक 64 साल की बुजुर्ग महिला जो अपनी बीमारी के कारण लंबे समय से बेड पर है। परिवार में कोई नहीं इसलिए अकेले रहती है। खुद से उठ तक नहीं सकती, खाना पीना नहीं खा पाती। वॉशरुम जाने से बचने के लिए डायपर पहनती है। दरिंदों ने उस महिला को भी नहीं छोड़ा।बलौदाबाजार जिले में मकान मालिक ने अपने साथी संग मिलकर किराए से रह रही बुजुर्ग महिला से गैंगरेप किया है। 6 फरवरी की दोपहर दोनों कमरे में पहुंचे और गलत काम कर रहे थे। तभी पड़ोस की महिला अचानक वहां पहुंची। देखा कि आरोपियों ने बुजुर्ग के प्राइवेट पार्ट में हाथ डाला था। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।6 फरवरी की दोपहर करीब 2 बजे पड़ोस में रहने वाली महिला बुजुर्ग महिला का हालचाल जानने पहुंची थी। जैसे ही वह अंदर गई, देखा कि एक युवक शराब के नशे में बुजुर्ग महिला के कपड़े को उठाकर उसके प्राइवेट पार्ट को छू रहा था। गलत काम कर रहा था।बुजुर्ग एक पेशेंट है, वह डायपर पहनी हुई थी। उसकी हालत सीरियस है। पड़ोसी को अचानक देख दोनों घबरा गए और मारने के लिए दौड़ाए। जैसे तैसे वह जान बचा कर बाहर भागी।महिला के जाने के बाद आरोपियों ने कमरे को अंदर से बंद कर लिया था। जिसके बाद पड़ोसी ने थाने में फोन किया। परिचय पहचान वालों को

बुलाया। पुलिस आई और मकान मालिक और आरोपी को फटकारा और अपने साथ थाने ले गई।मोहन दास पंजवानी (64), निवासी डेयरी के पास गैस गोदाम रोड (मकान मालिक)श्याम यादव, (45) निवासी नयापारा, मकान मालिक का साथीअब जानिए पूरा मामलाजानकारी के अनुसार, बुजुर्ग महिला किराए के मकान में अकेली रहती थी। पीड़िता आसपास के घरों में कपड़े-बर्तन की साफ-सफाई का काम करती थी। इसी से अपना जीवनयापन करती थी।बीमार होने की वजह से काम करने और चलने-फिरने में भी असमर्थ थी। उसका कोई परिवार नहीं था। वह बिल्कुल अकेली रहती थी। बुजुर्ग महिला जिनके घरों में कभी काम किया करती थी, उसे अपना मानने लगे थे। बीमारी के बाद कोई भी उसे खाना दे देता था, कोई पानी या दवा का इंतजाम कर देता था।

गैंगरेप की जानकारी मिलते ही पुलिस ने भी बिना देर किए कार्रवाई की और महज 2 घंटे के अंदर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।दोनों ने अपना जुर्म कबूलामोहन दास पंजवानी उसी मकान का मालिक है, जहां पीड़िता किराए से रहती थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि मकान मालिक ने ही अपने साथी को बुलाया था। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।असहायता का फायदा उठाने की कोशिश - पुलिसपुलिस ने इस मामले में आरोपियों खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और जरूरी फॉरेंसिक सबूत भी जुटा लिए गए हैं। पुलिस ने धारा 64(2)(द्म) व 332(ड्ढ) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया है।

10वीं पास युवक जॉब के लिए रायपुर आया:पैसे की जरूरत पड़ी तो ठेले वालों के नाम पर लोन निकाले, मोबाइल शॉप खोलना चाहता था

रायपुरा,11 फरवरी (एजेंसी)। जधानी रायपुर में एक 19 साल के युवक ने शहर के 4 छोटे व्यापारियों से 15 लाख की ठगी की है। कृष पवार (19) 10वीं पास है। वह छिंदवाड़ा का रहने वाला है। 6 महीने पहले रायपुर में फाइनेंस क्षेत्र में जॉब करने के लिए आया था। अपनी खुद की मोबाइल दुकान खोलना चाहता था, इसलिए उसने दूसरे के नाम पर लोन निकलवाया।मामला मौदहापारा थाना क्षेत्र का है। कृष ने शहर के एमजी रोड में ठेला लगाने वाले व्यापारियों को निशाना बनाया और उनके मोबाइल में बैंक एप्लीकेशन डाउनलोड कर प्री अप्रूव्ड लोन अप्लाई कर दिया। पैसा मिलने के बाद अपने खाते में ट्रांसफर कर लिया। पीड़ितों की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।मुदित पाठे उर्फ कृष पवार (19) मुख्य रुप से मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा का रहने वाला है। उसने दसवीं तक पढ़ाई की। फिर फाइनेंस सेक्टर में काम करने की इच्छा लेकर रायपुर आया था।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि, वह रायपुर के गुढ़ियारी क्षेत्र में पहले किराए से रहा। फिर डोरमेट्री में ठहरकर ठेले वालों और छोटे व्यापारियों से धीरे-धीरे मेलजोल बढ़ाता था।उसने ऑनलाइन फाइनेंस, कैशबैक, इन्वेस्टमेंट ऐप्स से बेस्ट कैशबैक, प्रोमो कोड और रेफरल कोड की जानकारी ली। शुरू में पीड़ितों को प्रॉफिट दिलवाने लगा। जिससे व्यापारी भरोसा करने लगेइसके बाद युवक ने पीड़ितों के आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोबाइल फोन और अन्य निजी डॉक्यूमेंट भी ले लिए। शुरुआत में वह लोन निकालने के प्रोसेस में व्यापारियों की हेल्प करता था।इसके बाद उसने अलग-अलग फाइनेंस एप्लीकेशन के जरिए पीड़ितों के नाम पर प्री-अप्रूव्ड लोन निकाले। लोन के पैसे को अपने खाते में चैनलाइज किया गया।आज़ाद चौक थाना क्षेत्र के निवासी दौलत कुशवाहा (32) ने पुलिस को बताया कि वह एमजी रोड पर ठेला लगाकर गुपचुप का व्यवसाय करता है। करीब तीन महीने पहले उसकी पहचान कृष पवार नाम के युवक से हुई, जो खुद को बैंकों से लोन दिलाने वाला बताता था।दौलत ने अपनी बहन की शादी के लिए पैसों की जरूरत बताई और किरिश से लोन दिलाने की बात की। इसी दौरान आरोपी ने उसका आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक पासबुक ले लिया।आरोपी ने रकम अपने खाते में ट्रांसफर कीपीड़ित के मुताबिक, कृष ने उसकी जानकारी के बिना एक्सिस बैंक, डूंडा शाखा के खाते से 80,035 रुपए का लोन पास करा

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

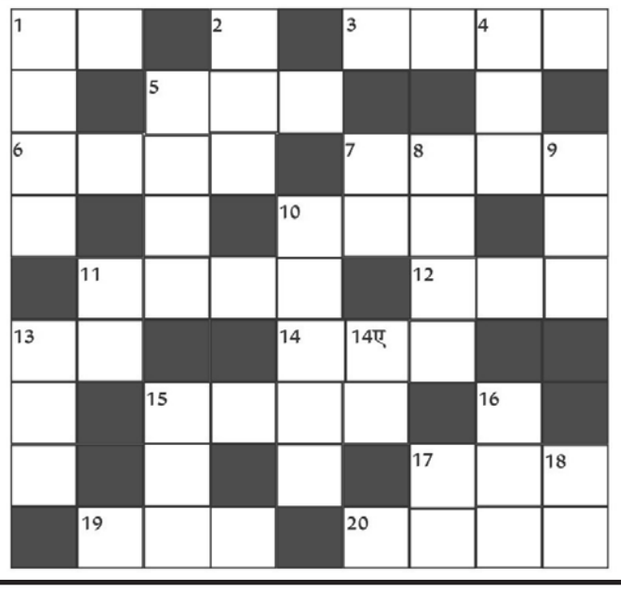

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

टी-20 विश्व कप 2026: भारत के खिलाफ मैच खेल सकता है पाकिस्तान, रखी ये मांग

नईदिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच का लोगों को बेसब्री से इंतजार है, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई कि यह मैच खेला जाएगा या नहीं। रविवार को पाकिस्तान के लाहौर में हुई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की बैठक से उम्मीद जगी है कि यह मैच आखिरकार हो सकता है। पीसीबी अगले 24 घंटों में यह फैसला ले सकता है कि वह भारत के खिलाफ मैच खेलेगा या उसका बहिष्कार करेगा।पीसीबी इस मामले में अंतिम निर्णय लेने से पहले पाकिस्तान की केंद्र सरकार से सलाह करेगा। बताया जा रहा है कि बोर्ड राजनीतिक दिशा-निर्देशों और भारत-पाकिस्तान मैच से हटने के संभावित असर पर विचार कर रहा है। यह सब लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई करीब 5 घंटे लंबी बैठक के बाद लिए जाएगा। इस बैठक में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम शामिल थे।रिपोर्ट्स के अनुसार, आईसीसी - पीसीबी की बैठक में नकवी ने आईसीसी से भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध फिर से शुरू करने में मदद करने के लिए कहा है। उन्होंने एशिया कप में हाथ न मिलाने वाली घटना का मुद्दा भी उठाया और कहा कि खिलाड़ियों को खेल की नैतिकता बनाए रखनी चाहिए और पारंपरिक अभिवादन का पालन करना चाहिए। उन्होंने पकिस्तान के लिए ज्यादा रेवेन्यू शेयर की मांग भी की है।बैठक में शामिल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल ने भी आईसीसी से कुछ मांगे सामने रखी हैं। उन्होंने आईसीसी के किसी एक बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार मांगा है।

इंग्लैंड सबसे बड़े उलटफेर से बचा, श्रीलंका-न्यूजीलैंड ने भी जीत के साथ किया आगाज

नईदिल्ली,11 फरवरी (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा दिन भी पहले दिन की तरह काफी ज्यादा रोमांच से भरा रहा. जहां पहले मैच में न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा रन चेज करके जीत दर्ज की, तो वहीं दूसरे मैच में इंग्लैंड की टीम नेपाल जैसी टीम से हारने से बाल बाल बचा. जबकि तीसरे मैच में मेजबान श्रीलंका ने आयरलैंड को मात देकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की है.

न्यूजीलैंड ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ग्रुप डी के अपने पहले मैच में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया. कीवी टीम ने अफगानिस्तान के 183 रनों के विशाल टारगेट को 13 गेंदें बाकी रहते ही हासिल कर लिया. इसके साथ उन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा सफल चेज का रिकॉर्ड भी बना दिया. इससे पहले ये रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम था, जिन्होंने एशिया कप 2022 के दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ 176 रन चेज किया था. मैच में टिम सेफर्ट ने 42 गेंदों में 7 चौके और तीन छक्कों की मदद से 65 रनों की पारी खेली, जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 25 गेंद में 42, चैपमैन ने 17 में 28, डेरिल मिशेल 14 में 25 और कप्तान सेंटनर 8 गेंद 17 रन बनाकर मैच को जीता दिया. वहीं अफगानिस्तान की तरफ से गुरबाज ने 22 में 27 और गुलबदिन नायब 35 में 63 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन ये उनकी टीम को मैच जीतने के लिए काफी नहीं था.दिन का दूसरा मैच ग्रुप सी के दो बार की वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड और नेपाल के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया. जिसमें इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 184 रन बनाने में सफल रहा. लेकिन वो इस मैच को किसी तरह से केवल 4 रन से ही जीतने में सफल हो पाया. क्योंकि नेपाल आखिरी 7 गेंद में 10 रन नहीं बना सका. वो 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 180 रन ही बना पाए.कप्तान रोहित पौडेल के 34 में 39, दीपेंद्र सिंह 29 में 44 और आखिर में लोकेश बम के 20 में 39 रनों की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत नेपाल टी20 वर्ल्ड कप में अपनी पहली जीत दर्ज करने के करीब पहुंच गया. हालांकि, सैम करन ने शानदार आखिरी ओवर फेंका, 10 रन बचाकर इंग्लैंड को एक रोमांचक मुकाबले में जीत दिलाई. ऑलराउंडर विल जैक्स ने इंग्लैंड को एक मजबूत फिनिश दिया, उन्होंने सिर्फ 18 गेंदों में 39 रन बनाए, उसके बाद 2 ओवर में 17 रन देकर एक विकेट भी लिए. जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया.दिन का तीसरा मैच टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मेबान श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेला गया. जिसमें मेजबान टीम ने कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आयरलैंड को 20 रनों से हरा दिया. टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए, श्रीलंका एक समय 87/4 पर संघर्ष कर रहा था, जिसमें बीच के ओवरों में एक भी बाउंड्री नहीं लगी थी, लेकिन कामिंदु मेंडिस की सिर्फ 19 गेंदों पर 44 रनों की तूफानी पारी और कुसल मेंडिस की 43 गेंदों पर नाबाद 56 रनों की पारी ने उन्हें 163/6 के अच्छे स्कोर तक पहुंचाया. कामिंदु मेंडिस को उनकी तेज पारी खेलने की वजह से प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया.उसके बाद श्रीलंका की स्पिन जोड़ी महेश थीक्षाना और वानिंदु हसरंगा ने तीन-तीन विकेट लेकर आयरलैंड को 19.5 ओवर में 143 रनों पर ऑल आउट कर दिया. थीक्षाना ने अपने चार ओवरों में 3-23 विकेट लिए, जबकि हैमस्ट्रिंग में परेशानी के बावजूद हसरंगा ने 3-25 का शानदार स्पेल डाला. यह एक आसान जीत नहीं थी, लेकिन श्रीलंका ने दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे ग्रुप बी में उनकी स्थिति मजबूत हो गई.

न्यूजीलैंड की टी20 वर्ल्ड कप में धमाकेदार शुरुआत, अफगानिस्तान के खिलाफ किया सबसे बड़ा रन चेज

नईदिल्ली,11 फरवरी (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ग्रुप डी के मैच में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया और 183 रनों के विशाल टारगेट को 13 गेंदें बाकी रहते ही हासिल कर लिया.इसके साथ उन्होंने टी20आई क्रिकेट में अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा सफल चेज का रिकॉर्ड भी बना दिया. इससे पहले ये रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम था, जिन्होंने एशिया कप 2022 के दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ 176 रन चेज किया था.टिम सेफर्ट ने 42 गेंदों में तीन छक्कों की मदद से 65 रन और ग्लेन फिलिप्स ने 25 गेंद में 42 रनों की तूफानी पारी खेली, जबकि लॉकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट लिए. पिच पारंपरिक चेपॉक पिच जैसी नहीं थी जहां स्पिनर अच्छा प्रदर्शन करते थे, लेकिन पिच ने तेज गेंदबाजों को भी कुछ मदद दी.न्यूजीलैंड ने पारी की शुरुआत में ही दो विकेट गंवा दिए और स्कोर 14/2 हो गया. हालांकि, सेफर्ट ने एक छोर से मोर्चा संभाला और सिर्फ 42 गेंदों में 65 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया. उन्होंने ग्लेन फिलिप्स के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 74 रनों की साझेदारी की. ग्लेन फिलिप्स ने 25 गेंदों में 42 रनों की पारी खेली. दोनों ने मिलकर टीम को विरोधी टीम पर शानदार जीत दिलाने में मदद की.गुलबदीन नैब अफगान टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में चार छक्कों की मदद से 63 रन बनाए. सेदिकुल्लाह अटल ने 29 रनों की पारी खेली जबकि रहमानुल्लाह गुरबाज ने 27 रनों का योगदान दिया. लॉकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट लिए और अपनी तेज गति से विरोधी बल्लेबाजों को परेशान किया. मैट हेनरी, जैकब डफी और रचिन रवींद्र ने एक-एक विकेट लिया.इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने ग्रुप में टॉप पोजिशन हासिल कर ली है. इस ग्रुप में अफगानिस्तान, साउथ अफ्रीका, कनाडा और यूएई जैसी टीमें भी हैं. इन टीमों में से सिर्फ दो टीमें ही सुपर 8 में आगे बढ़ेंगी. इसलिए, यह जीत ब्लैककैप्स के लिए बहुत जरूरी थी. अब उनके पास दो पॉइंट्स के साथ नेट रन रेट 1.162 हो गया है. अब अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका में से कोई एक ही सुपर 8 के लिए आगे बढ़ेगा, जब तक कि कोई बड़ा उलटफेर ना हो जाए.

टी20 में सबसे ज्यादा शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड श्रीलंकाई कप्तान के नाम

कोलंबो ,11 फरवरी (एजेंसी)। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने एक अनचाहा रिकॉर्ड बनाया, जब वह रविवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप में आयरलैंड के खिलाफ मैच में डक पर आउट हो गए. वह टी20 इंटरनेशनल में सबसे जयादा बार डक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. शनाका पहली ही गेंद पर डक पर आउट हो गए, जब उन्होंने ऑफ साइड पर जांघ की ऊंचाई वाली फुल टॉस गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन बड़ा छक्का लगाने की उनकी कोशिश नाकाम रही और गेंद बल्ले के किनारे से लगकर शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़े मार्क अडायर के पास चली गई, जिन्होंने शानदार कैच लपक लिया.यह 34 वर्षीय शनाका का 113 टी20 इंटरनेशनल पारियों में 16वां जोरो था, इस तरह उन्होंने रवांडा के जैपी बिमेनिमाना का अनचाहा रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो 62 मैचों में 15 बार डक पर आउट हो चुके हैं.इस तरह शनाका के नाम टी20आई फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार डक हो गया है, जबकि आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग 158 मैचों में 14 डक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि थाईलैंड के सी. चैटफाइसन 52 मैचों में 13 जोरो के साथ चौथे स्थान पर हैं. वहीं टेस्ट खेलने वाले देशों में, बांग्लादेश के सौम्य सरकार 13 जीरो के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं.हालांकि शनाका के जीरो पर आउट होने के बावजूद श्रीलंका ने कुसल मेंडिस के नाबाद 56 और कामिंदू मेंडिस के महत्वपूर्ण 44 रनों की बदौलत टी20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में आयरलैंड के खिलाफ 20 ओवर में 163/6 का स्कोर बनाने में सफल रहा. उसके बाद उनके स्पिनरों ने शानदरा गेंदबाजी करके आयरलैंड को 143 पर ऑलआउट कर दिया, जिसके साथ वो 20 रनों से मैच को अपने नाम कर लिया.

टी-20 विश्व कप 2026: स्कॉटलैंड ने इटली को हराया

नईदिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2026 के 7वें मैच में स्कॉटलैंड क्रिकेट टीम ने इटली क्रिकेट टीम को 73 रन से हराते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। ईडन गार्डन स्टेडियम में हुए मुकाबले में स्कॉटलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 207/4 का स्कोर बनाया। जवाब में इटली की टीम 16.4 ओवर में 134 रन बनाकर सिमट गई। स्कॉटलैंड की यह इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉर्ज मुन्से (84) और माइकल जोन्स (37) ने शतकीय साझेदारी करते हुए उम्दा शुरुआत दिलाई। इसके बाद ब्रैंडन मैकमुलन ने 18 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाते हुए टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। जवाब में जस्टिन मोस्का (0) और एंथनी मोस्का (13) जल्दी आउट हुए। खराब शुरुआत के बाद संकट की घड़ी में हैरी मैनेंटी (37) और बेन मैनेंटी (52) ने संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके। जॉर्ज मुन्से ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। वह 54 गेंदों में 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 87 रन बनाकर आउट हुए। इस बीच वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में स्कॉटलैंड से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उनके अब 83 मैचों की 81 पारियों में 31.64 की औसत और 144.44 की स्ट्राइक रेट के साथ 2,405 रन बनाए। उन्होंने रनों के मामले में रिची बेरिंगटन (2,392) को पीछे छोड़ा।स्कॉटलैंड के ऑलराउंडर माइकल लीस्क ने गेंदबाजी में बेहतरीन प्रदर्शन किया। दाएं हाथ के इस ऑफ स्पिनर ने अपने 4 ओवर में 17 रन देते हुए 4 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन हो गया। उनके अब 76 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 20.65 की औसत से 55 विकेट हैं। वह टी-20 विश्व कप के एक मैच में 4 विकेट लेने वाले स्कॉटलैंड के सिर्फ दूसरे गेंदबाज बने।लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली ने जब 40 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट खोया, तब बेन मैनेंटी क्रीज पर आए। उन्होंने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला अर्धशतक लगाया। वह टी-20 विश्व कप के इतिहास में इटली की ओर से अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने मैच में 31 गेंदों में 52 रन बनाए।

व्यापार

जेरोधा ने काइट टर्मिनल मोड का बीटा वर्जन किया पेश

नई दिल्ली ,11 फरवरी (एजेंसी)। जेरोधा ने काइट पर बीटा परीक्षण के तहत नया टर्मिनल मोड पेश किया है, जिससे यूजर अपने ट्रेडिंग स्क्रीन लेआउट को कस्टमाइज कर एक ही इंटरफेस के भीतर कई टूल का उपयोग कर सकते हैं। इसकी मदद से ट्रेडर मार्केटवॉच, चार्ट, ऑर्डर बुक और पोजीशन जैसे पैनल को स्क्रीन पर कहीं सेट कर सकते हैं। इसमें एकसाथ कई पेज खोलने, उन्हें आस-पास या एक के ऊपर एक रखने और पसंद के अनुसार विजेट का आकार बदलने की सुविधा होगी।कंपनी का कहना है कि इसका उद्देश्य स्क्रीन पर खासकर बड़े मॉनिटर वाले यूजर्स के लिए अनावश्यक जगह को कम करना है। इस अपडेट के साथ कई ऐसे टूल- मार्जिन कैलकुलेटर, ब्रोकरेज कैलकुलेटर और आर्थिक कैलेंडर, जो पहले केवल जेरोधा वेबसाइट पर उपलब्ध थे, अब सीधे काइट में जोड़ दिए गए हैं। जेरोधा के संस्थापक नितिन कामथ ने एक्स पर इसके लॉन्च की घोषणा करते हुए कहा कि कंपनी परीक्षण चरण के दौरान यूजर्स से प्रतिक्रिया मांग रही है।ऑनलाइन ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म ने ऑर्डर बुक, पोजीशन, होल्डिंग्स और ऑप्शन चेन सहित प्रमुख सेक्शंस को नया रूप दिया है, ताकि वे टर्मिनल मोड में एडजेस्टेबल विजेट के रूप में कार्य कर सकें। यूजर अव्यवस्था से बचने के लिए प्रदर्शित होने वाले विजेट्स का चयन कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म यूजर्स को 10 तक कस्टमाइज्ड वर्कस्पेस सेव करने, उनके बीच तुरंत स्विच करने और लेआउट को दूसरों के साथ शेयर करने की सुविधा भी देता है।

पियूष गोयल बोले- अमेरिका के साथ डील से भारतीय निर्यातकों के लिए खुलेगा 30 ट्रिलियन डॉलर का बाजार

नई दिल्ली,11फरवरी (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा की. उन्होंने इसे विकसित भारत 2047 के संकल्प की दिशा में एक मील का पत्थर बताया.गोयल ने बताया कि अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर लगने वाले 50 प्रतिशत के रेसिप्रोकल टैरिफ को घटाकर अब मात्र 18 प्रतिशत कर दिया है. यह दर चीन (35 प्रतिशत), वियतनाम (20 प्रतिशत) और बांग्लादेश (20 प्रतिशत) जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में काफी कम है, जिससे भारतीय निर्यातकों को वैश्विक बाजार में बड़ी बढ़त मिलेगी.उन्होंने कहा, इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन तक पहुँचाना है. इसकी नींव फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चर्चाओं के दौरान रखी गई थी.मंत्री ने कहा कि इस डील से देश भर में उत्साह का माहौल है. यह समझौता न केवल व्यापार बढ़ाएगा, बल्कि भारतीय युवाओं और एमएसएमई के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा. गोयल ने जोर देकर कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की गहरी मित्रता और दोनों देशों के बीच बढ़ते अटूट विश्वास का प्रमाण है.

ट्रंप ने भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ हटाया, पीएम मोदी ने किया धन्यवाद

नई दिल्ली,11 फरवरी (एजेंसी)। भारत को अमेरिका की ओर से बड़ी व्यापारिक राहत मिली है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ हटाने की घोषणा की है. यह शुल्क भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर लगाया गया था. यह फैसला हाल ही में घोषित भारत-अमेरिका ट्रेड डील का अहम हिस्सा माना जा रहा है. इससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद जताई जा रही है.

व्हाइट हाउस की ओर से जारी एक कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि भारत ने रूस से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से तेल आयात रोकने का वादा किया है. अमेरिका का लंबे समय से यह रुख रहा है कि रूसी तेल की खरीद से रूस-यूक्रेन युद्ध को आर्थिक सहायता मिलती है. भारत के इस आश्वासन के बाद दोनों देशों के बीच इस मुद्दे को लेकर बना तनाव कम होने की संभावना है.

कार्यकारी आदेश के अनुसार, भारत भविष्य में अमेरिका से ऊर्जा उत्पादों की खरीद बढ़ाएगा. इसके अलावा, दोनों देशों ने अगले दस वर्षों के लिए रक्षा सहयोग को मजबूत करने के एक ढांचे पर भी सहमति जताई है. माना जा रहा है कि इससे रणनीतिक साझेदारी

को नई मजबूती मिलेगी. अतिरिक्त 25 प्रतिशत अमेरिकी ड्यूटी शनिवार रात 12:01 बजे (ईस्टर्न टाइम) से औपचारिक रूप से हटा दी गई है. भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगाए जाने वाले पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने का फैसला किया है. हालांकि, इस कटौती को अभी आधिकारिक रूप से लागू किया जाना बाकी है. व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि 18 प्रतिशत का टैरिफ स्तर भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर स्थिति में लाएगा, जिन पर 19 से 20 प्रतिशत तक शुल्क लागू है.

व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि इस समझौते के तहत भारत अगले पांच वर्षों में अमेरिका से करीब 500 अरब डॉलर के उत्पाद खरीदेगा. इनमें ऊर्जा संसाधन, विमान और उनके पुर्जे, कीमती धातुएं, तकनीकी उत्पाद और कोकिंग कोल शामिल हैं. इसके साथ ही, कुछ विमानों और उनके पार्ट्स पर लगने वाला टैरिफ पूरी तरह समाप्त करने का भी प्रावधान किया गया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनी है. उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह ढांचा दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास और साझेदारी को दर्शाता है. पीएम मोदी ने कहा कि इससे 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा मिलेगा और किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और मछुआरों के लिए नए अवसर पैदा होंगे. साथ ही, महिलाओं और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की उम्मीद है.

साप्ताहिक विश्लेषण: भारत-यूएस व्यापार समझौते और अनुकूल मौद्रिक नीति से बाजार में मजबूती

नई दिल्ली,11 फरवरी (एजेंसी)। इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बाद तेजी का रुख देखने को मिला. भारत-अमेरिका के व्यापार समझौते की घोषणा के बाद घरेलू सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए. बजट 2026-27 में डेरिवेटिव पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स बढ़ने की खबर से शुरू में दबाव रहा, लेकिन अमेरिकी व्यापार राहत और अन्य सकारात्मक संकेतों ने इसे संतुलित किया.सेंसेक्स इस सप्ताह 83,580.40 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,693.70 अंक पर मजबूती के साथ समाप्त हुआ. इसके साथ ही व्यापक सूचकांक भी बढ़त में रहे, जिससे निवेशकों में जोखिम लेने की भावना बढ़ी.भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति में कोई बदलाव नहीं किया और रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखा. बैंक ने वित्तीय वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया. आरबीआई ने आर्थिक

विकास को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रखा है, जिससे बाजार में निवेशकों की आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई.बाजार में सुधार में वैश्विक संकेतों ने भी भूमिका निभाई. अमेरिकी सरकार ने भारत से आयातित सामान पर कर्तव्यों को 18 प्रतिशत तक घटाने की घोषणा की, जो भारतीय निर्यातकों के लिए राहत की खबर है. साथ ही भारत-चीन के बीच व्यापार 2025 में रिकॉर्ड 155 अरब डॉलर तक पहुंचा, जो क्षेत्रीय व्यापार गतिविधियों में तेजी का संकेत देता है.जनवरी में जीएसटी संग्रह 1.93 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.2 प्रतिशत अधिक है. यह घरेलू खपत और आयात गतिविधियों में स्थिरता और सुधार का संकेत देता है.इस सप्ताह रियल्टी, एनर्जी और ऑटो सेक्टर सबसे अधिक लाभ में रहे. ये क्षेत्र घरेलू मांग और आर्थिक स्थिरता की उम्मीद से निवेशकों को आकर्षित करते रहे. इसके विपरीत, आईटी सेक्टर इस सप्ताह पिछड़ गया और व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया.विश्लेषकों का कहना है कि निफ्टी 25,400 अंक से ऊपर बने रहने पर सकारात्मक रुख बनाए रखेगा. यदि यह स्तर टूटता है तो 25,100 तक गिरावट संभव है. वहीं, 26,000 अंक से ऊपर की तेजी अगले रैली चरण की शुरुआत कर सकती है और 26,400 तक पहुंच सकती है.

निवेशक अब जनवरी की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक डेटा का इंतजार करेंगे, जिसे 2024 के नए आधार वर्ष के अनुसार तैयार किया जाएगा. इसके परिणाम बाजार की दिशा और निवेशकों की रणनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं.

सेबी ने दी 8 नए आईपीओ को हरी झंडी, बाजार से जुटेंगे 10,000 करोड़

नई दिल्ली,11 फरवरी (एजेंसी)। भारतीय प्राइमरी मार्केट के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है. बाजार नियामक सेबी ने इन्क्रेड होल्डिंग्स और एलिवेट कैंप्सस सहित कुल आठ कंपनियों को आईपीओ के जरिए बाजार से पूंजी जुटाने की मंजूरी दे दी है. ये कंपनियां सामूहिक रूप से लगभग 10,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं.

सेबी से मंजूरी पाने वाली कंपनियों की सूची में दिग्गज नाम शामिल हैं. इनमें इन्क्रेड होल्डिंग्स और एलिवेट कैंप्सस के अलावा लेजर पावर एंड इन्फ्रा, सीडमेक मेकट्रानिक्स, आरडी इंडस्ट्रीज, अर्मी इन्फोटेक, आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट और संकेश ज्वैलर्स शामिल हैं. निवेशकों के लिए अगले कुछ महीने निवेश के बेहतरीन अवसर लेकर आने वाले हैं.इस खेप में सबसे बड़ा आकर्षण इन्क्रेड होल्डिंग्स का आईपीओ माना जा रहा है. कंपनी

इस इश्यू के जरिए बाजार से 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है. वहीं, एजुकेशन सेक्टर की उभरती कंपनी एलीवेट कैंप्सस भी 2,550 करोड़ रुपये का अपना आईपीओ लाने के लिए तैयार है. खास बात यह है कि एलिवेट का आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इश्यू होगा, यानी इसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं है और जुटाया गया पूरा पैसा कंपनी के विकास में इस्तेमाल होगा.यह मंजूरी ऐसे समय में आई है जब साल की शुरुआत में ही इंडिया कोक एंड कोल लिमिटेड, शैडोफैक्स टेक्नोलाजीज और अमागी मीडिया लैब्स जैसी बड़ी कंपनियों ने पहले ही बाजार से 4,766 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाए हैं. इन आठ नई कंपनियों के आने से सेकेंडरी मार्केट में भी लिक्विडिटी और उत्साह बढ़ने की उम्मीद है.

विविध सेक्टर: फिनटेक, एडुटेक, इंफ्रास्ट्रक्चर और ज्वेलरी जैसे अलग-अलग सेक्टर की कंपनियों के आने से पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई करने का मौका मिलेगा.भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है. यदि आप भी शेयर बाजार में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो इन आगामी आईपीओ के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस पर नज़र रखना शुरू कर दें. 2026 का यह साल आईपीओ निवेशकों के लिए मालामाल होने वाला साबित हो

कर्मियों की चूक, टीबी संक्रमित जिला में टॉप पर पहुंचा कोरबा

0 संक्रमित के साथ संपर्क में आए लोगों का आंकड़ा भी ऐप में कर दिया अपलोड

0 विभाग में मचा हड़कंप, सुधार की कवायद शुरू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कर्मियों की एक चूक से कोरबा टीबी संक्रमण के मामले में प्रदेश में टॉप पर पहुंच गया है।हालांकि चूक उजागर होने के बाद महकमा सुधार में जुट गया है। आप ऑनलाइन आंकड़ों को दुरुस्त कर सही जानकारी फीड की जा रही है।

देश को साल 2030 तक टीबी रोग से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। जिसमें निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ सौ दिवसीय पहचान व उपचार अभियान भी शामिल है। जिले में भी अभियान 27 मार्च 2025 तक चली। अभियान के तहत जिला क्षय उन्मूलन व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, मितानीन घर घर पहुंचे। उन्होनें संभावित मरीज और उनके संपर्क में आए लोगों की जांच पड़ताल की। कलेक्टर कुणाल दुदावत से दिशा निर्देश मिलने के बाद वर्तमान में भी टीबी पीड़ित मरीजों की तलाश जारी है। यदि आंकड़ों की बात करें तो अभियान के तहत 2205 टीबी संक्रमितों की पहचान की गई। उन्हें विभाग द्वारा उपचार मुहैया कराया गया। लगातार चले इलाज के बाद 50 फीसदी मरीज स्वस्थ हैं। वर्तमान में विभाग द्वारा स्वास्थ्य कर्मी तथा मितानिनों की मदद से 1152 मरीजों को दवा उपलब्ध कराया जा रहा है। इन तमाम प्रयासों के बावजूद कोरबा प्रदेश में टीबी संक्रमण के मामले में टॉप पर है। इसके पीछे तकनीकी खामी को कारण माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि निश्चय ऐप के माध्यम से मुख्यालय को संभावित मरीजों के आंकड़े भेजे जाने थे। इस आशय का निर्देश जिला क्षय उन्मूलन केन्द्र के नोडल अधिकारियों ने ब्लॉक स्तर के कर्मचारियों को भी दिए थे। जिले के सभी ब्लॉक में कम्प्युटर ऑपरेटरों को निश्चय ऐप में जानकारी भेजने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पोंड़ी उपरोड़ा व कोरबा ब्लॉक से भी कम्प्युटर ऑपरेटरों ने जानकारी तो भेजी, लेकिन तकनीकी जानकारी के अभाव में त्रुटि हो गई। उन्होंने संभावित मरीजों के साथ ही संपर्क में आए करीब 12 हजार लोगों के आंकड़े भी ऐप लोड कर दिए, जिससे कोरबा टीबी संक्रमण के मामले में टॉप पर पहुंच गया। यह गलती उजागर होते ही महकमे में हड़कंप मच गया। मामले में आला अधिकारियों ने सुधार के निर्देश जारी कर दिए। उनके निर्देश पर निश्चय ऐप में सुधार कार्य शुरू कर दिया गया है। संभावना जताई जा रही है कि सुधार उपरांत कोरबा रेड के बजाय ग्रीन जोन में शामिल हो जाएगा।

कोरबा में टीबी के मरीजों के बढ़ने के कारण

0 औद्योगिक और पर्यावरणीय कारक: कोरबा एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है, जहां खदानों और कारखानों से उड़ने वाली धूल और प्रदूषण फेफड़ों को कमजोर कर टीबी के बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं।

0 घनी आबादी और रहन-सहन: बस्तियों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में एक-दूसरे के संपर्क में आने से हवा के माध्यम से टीबी का संक्रमण तेजी से फैलता है।

0 कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली : कुपोषण और कुपोषित लोगों में टीबी के कीटाणु जल्दी सक्रिय होते हैं।

0 नशे की आदत शराब और तंबाकू/धूम्रपान के अत्यधिक सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है।

0 स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी या जागरूकता का अभाव: समय पर जांच न कराने या उपचार बीच में छोड़ने के कारण भी टीबी के मरीज बढ़ रहे हैं।

0 जनजातीय क्षेत्र: कई मामलों में जनजातीय क्षेत्रों में टीबी का प्रसार अधिक पाया गया है।

''क्षय रोगियों की पहचान एक्स रे सहित विभिन्न पद्धति से की जा रही है। निश्चय ऐप में जानकारी लोड करते समय चूक हुई थी, जिसमें सुधार किया जा रहा है।''

डॉ. वीआर रात्रे,
नोडल अधिकारी जिला क्षय उन्मूलन केंद्र

बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

रात्रि में बेवजह घूमने, अड्डेबाजी करने व झुंड में एकत्रित संदिग्ध व्यक्तियों पर की सख्त कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने एवं असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में कोरबा पुलिस द्वारा जिले भर में प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस द्वारा रात्रि के समय सार्वजनिक स्थलों पर बेवजह घूमने, अड्डेबाजी करने एवं झुंड में एकत्रित होकर संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक धारा 128 बीएनएसएस के तहत कुल 20 व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई का उद्देश्य रात्रिकालीन समय में शांति व्यवस्था बनाए रखना, असामाजिक एवं संदिग्ध तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करना है। पुलिस ने बताया कि भविष्य में भी रात्रि गश्त, निगरानी एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई इसी प्रकार निरंतर एवं सघन रूप से जारी रखी जाएगी।

नशे की लत में तीन ग्रामीणों ने गटक लिया जहर

परिजनों की नशा छोड़ने की समझाइश गुजरी नागवार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नशे की हालत में तीन ग्रामीणों ने जहर का सेवन कर लिया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लगातार इलाज के बाद भी तीनों की जान चली गई। परिजनों द्वारा नशा छोड़ने की समझाइश उन्हें नागवार गुजरी।

पहली घटना करतला थाना के ग्राम हलीमडीह की है, जहां धरम सिंह कंवर 40 वर्ष निवास करता था। वह खेती किसानी कर पत्नी और दो बच्चों का पालन पोषण करता था। शनिवार को ढोढ़ातराई में कार्यक्रम आयोजित था, जिसमें शामिल होकर लौटने के बाद धरम लगातार शराब का सेवन कर रहा था। उसे पत्नी ने शराब नही पीने की समझाइश दी। यह बात युवक को नागवार गुजरी। उसने कीटनाशक का सेवन कर लिया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इसी तरह दूसरी घटना में करतला थाना के ही ग्राम तुमान की है। यहां रहने वाला कृष्ण कुमार पटेल खेती किसानी का काम करता था। वह शराब का आदी था। उसने रविवार को भी शराब का सेवन किया था। उसे परिजनों ने शराब नही पीने की समझाइश दी। उनकी बातों को अनसुनी कर कृष्ण कुमार बाड़ी की ओर चला गया। उसने बाड़ी में रखे 505 नामक कीटनाशक का सेवन कर लिया। जिससे उसे लगातार उल्टी होने लगी। कृष्ण कुमार ने हालत बिगड़ने पर मोबाइल कॉल कर जहर सेवन कर लेने की जानकारी अपने भाई विष्णु पटेल को दी। यह खबर मिलते ही विष्णु घर पहुंचा। वह अपने भाई को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचा, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। तीसरी घटना उरगा थानांतर्गत ग्राम जर्वे परसाभांठा की है। यहां रहने वाला हिंसाराम बिंझवार 60 वर्ष खेती किसानी कर पत्नी और चार बच्चों का पालन पोषण करते आ रहा था। वह रविवार की रात करीब 8 बजे नशे की हालत में घर पहुंचा। उसने नशे में ही कीटनाशक का सेवन कर लिया। उसकी भी मौत मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। तीनों की घटना में नशे की हालत में जहर सेवन की बात समान है। वहीं तीनों ने ही नशा नहीं करने की समझाइश पर जहर गटका है।

12 फरवरी को तानसेन चौक में किया जाएगा धरना प्रदर्शन

किसान सभा ने देशव्यापी हड़ताल का किया समर्थन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। देशव्यापी मजदूर-किसान आंदोलन के तहत 12 फरवरी को पूरे देश में व्यापक हड़ताल और प्रदर्शन किए जाएंगे। इस दौरान चार श्रम संहिताओं को रद्द करने, समाप्त किए गए 28 श्रम कानूनों को बहाल करने, फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लागत से डेढ़ गुना तय कर खरीद की कानूनी गारंटी, किसान कर्ज मुक्ति, किसान पेंशन, मनरेगा की बहाली तथा अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ किसान सभा ने आंदोलन का समर्थन करते हुए हड़ताल को सफल बनाने के लिए गांव गांव में प्रचार अभियान चलाने का निर्णय किया है। कोयला खदान बंद करने का आह्वान किसान सभा ने किया है।

किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने कहा कि देशभर में 30 करोड़ से अधिक मजदूर और किसान हड़ताल में भाग लेंगे। चार लेबर कोड लागू करने और मनरेगा को समाप्त करने की कोशिश के खिलाफ के साथ जिले के भू विस्थापितों की समस्याओं को भी आंदोलन में प्रमुखता से उठाया जाएगा। किसान सभा के अध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर और सचिव दीपक साहू ने कहा कि हड़ताल को सफल बनाने के लिए गांव गांव में अभियान चलाया जा रहा है और किसानों से अपील कर रहे है कि हड़ताल को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि केंद सरकार मजदूरों और किसानों के अधिकारों को नए कानून बनाकर छीनना चाह रही है, जिसका 12 फरवरी को किसान मजदूर एकजुटता के साथ हड़ताल को सफल बना कर जवाब देंगे। देशव्यापी हड़ताल के क्रम में 12 फरवरी को तानसेन चौक में धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, सीटू, किसान सभा, भू विस्थापित संगठन, परिवहन संघ के साथ कई संगठन भाग लेंगे। अभियान में जवाहर सिंह कंवर, दीपक साहू, दामोदर श्याम, सुमेंद्र सिंह कंवर, रमेश दास, हरिशरण, हेतराम सहित कई कार्यकर्ता जुड़े हुए हैं।

इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला सचिव पवन कुमार वर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने 44 श्रम कानून को चार श्रम संहिता में बदल दिया है। वह कागज पर कानून है। जमीन पर ठेका, डर, छंटनी और चुप्पी का जाल है। श्री वर्मा ने किसानों, मजदूरों, महिलाओं और मेहनतकश जनता से आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 12 फरवरी को प्रस्तावित हड़ताल को सफल बनाने के लिए सीपीआई मजदूरों, किसानों और ग्रामीण महिलाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर शामिल रहेगी।

अंतिम चरण में पुरानी पेंशन बहाली प्रक्रिया, स्वीकृति के बाद होगा लागू

0 महासंघ की चेयरमैन के साथ बैठक कराने का दिया आश्वासन, 0 कर्मचारी संघ-महासंघ के अनिश्चितकालीन आंदोलन से पूर्व कंपनी के तीनों प्रबंधक निदेशक के साथ हुई बैठक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बिजली कर्मियों के विभिन्न लंबित मांगों को लेकर 11 फरवरी को प्रस्तावित अनिश्चितकालीन आंदोलन से पूर्व संगठन पदाधिकारी की बैठक की गई। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर सहमति बनी है।

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ के पदाधिकारियों की विद्युत कंपनी के तीनों प्रबंधक निदेशक के साथ बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान विभिन्न मांगो पर चर्चा की गई। कई मांगों पर सहमति भी बनी है। बैठक में बताया गया कि पुरानी पेंशन बहाली प्रक्रिया अंतिम चरण में है। ड्राफ्ट तैयार कर कंपनी के द्वारा उच्च प्रबंधन को भेजा जा चुका है। जिसे स्वीकृति उपरांत लागू किया जाएगा। इस संबंध में महासंघ की चेयरमैन के साथ बैठक कराने आश्वस्त किया गया। संविदा कर्मियों के राष्ट्रीय अवकाश में ड्यूटी पर अतिरिक्त वेतन का आदेश शीघ्र जारी किया जाएगा। साथ ही आंदोलन व स्वास्थ्यगत पर लंबी छुट्टी और एलडब्ल्यूपी के प्रकरण का केस टू केस निराकरण किया जाएगा। वार्षिक वेतन वृद्धि व अन्य लाभ के लिए कमेटी गठन किए जाने पर सहमति बनी। पीएम सूर्यघर ऊर्जा के तहत अपने आवासीय परिसर में सोलर रूफ टॉप नहीं किए जाने पर बंद किए गए 50 प्रतिशत छूट को चालू करते हुए महासंघ के द्वारा तृतीय और चतुर्थ कर्मचारियों को सेकंड स्टेज में रखने की बात रखी गई। इस पर प्रबंधन की ओर से परीक्षण कराने व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को 50 प्रतिशत छूट व सेकंड स्टेज में रखने के लिए सहमति व्यक्त की गई।विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण के शेष बचे हुए आईटीआई कर्मचारियों को नव सृजित वितरण केंद्रों और उपसंभाग में रिक्तियों की जानकारी लेकर शीघ्र पदोन्नति के लिए सहमति बनी। साथ ही टीए/ टीडी के पूर्व में जारी कार्यादेश में संशोधन आदेश के लिए एचआर को निर्देशित किया गया। सभी पदों के कैरियर प्लानिंग व रि - स्ट्रक्चरिंग के लिए शीघ्र ही कमेटी गठन कर कार्रवाई की जाएगी। बाह्य स्त्रोत के कर्मियों का प्रत्येक माह का 7 तारीख के भीतर वेतन प्रदान सुनिश्चित करने कमेटी का गठन किया जाएगा। नई भर्ती के लिए प्रक्रिया अंतिम चरण में है। विज्ञापन शीघ्र जारी किए जाएंगे।

की डिप्रेशन की कार्रवाई को लेकर निर्देश

जनरेशन के मांगों के संबंध में भूस्थापित कर्मचारियों का 10000 से 5000 की डिप्रेशन करने की कार्रवाई के लिए एचआर को निर्देशित किया गया। उसी प्रकार वेज रिवीजन के एरियर्स के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए भी एचआर को निर्देश दिया गया है। इसके अलावा कंपनी के लिपिकीय वर्ग को राज्य शासन की तरह कंप्यूटर भत्ता के संबंध में परीक्षण कराकर आवश्यक कार्रवाई किए जाने सहमति व्यक्त की गई।

इसके साथ ही विभागीय भर्ती के लिए भी जल्द विज्ञापन निकाला जाएगा। महासंघ के द्वारा आठवें वेतन आयोग के वेज रिविजन के लिए कमेटी गठन की मांग रखी गई। जिस पर प्रबंधन के द्वारा एचआर को कमेटी गठन के लिए निर्देशित किया गया। सभी पदों पर अतिशीघ्र पदोन्नति आदेश जारी किए जाने पूर्णरूप से आश्वस्त किया गया। बैठक में कंपनी प्रबंधन की ओर से प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) आर के शुक्ला, प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) भीम सिंह कंवर, प्रबंध निदेशक (जेनरेशन) एसके कटियार सहित तीनों कंपनी के महाप्रबंधक (मा.संसा.), उपमहाप्रबंधक (मा.सं.), उपमहाप्रबंधक (औ.सं.) व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। महासंघ की ओर से अभा विद्युत मजदूर महासंघ के उपमहामंत्री हरीश चौहान, महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष संजय तिवारी, प्रांतीय महामंत्री नवरतन बरेठ, कार्यकारी अध्यक्ष तेज प्रताप सिन्हा, प्रांतीय उपाध्यक्ष मनीष कुमार क्षत्रिय, कार्यालय मंत्री चेतनानंद दुबे, कोषाध्यक्ष कोमल देवांगन, प्रांतीय संगठन मंत्री पीयूष सिन्हा व रायपुर शहर के क्षेत्रीय अध्यक्ष परमेश्वर कन्नौजे शामिल हुए।

ओपनकास्ट माइंस करतली ईस्ट परियोजना को शुरू करने की कवायद तेज

15 साल बाद एसईसीएल प्रबंधन ने ड्रोन सर्वे किया शुरू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सुराकछार, बलगी, बांकी भूमिगत खदानों के अघोषित रूप से बंद होने के बाद से एसईसीएल कोरबा एरिया की कोयला उत्पादन पर असर पड़ा है। जिसे लेकर ओपनकास्ट माइंस करतली ईस्ट परियोजना को शुरू करने की कवायद तेज कर दी गई है।

5 ग्राम पंचायतों की अधिग्रहित लगभग 1784 एकड़ जमीन पर एसईसीएल कोरबा एरिया की ओपनकास्ट माइंस करतली ईस्ट परियोजना खुलेगी। साल 2011 में धारा प्रकाशन कर जमीन का एसईसीएल ने अधिग्रहण किया है। लगभग 15 साल बाद अब एसईसीएल प्रबंधन ने ड्रोन सर्वे कराकर अधिग्रहण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने गंभीरता दिखाई है। मगर खदान प्रभावित ग्रामीणों ने पुराने दर पर मुआवजा निर्धारण व आंशिक अधिग्रहण करने पर आपत्ति दर्ज कराकर विरोध जताने की तैयारी की है। मुआवजा निर्धारण व परिसंपत्तियों के मूल्यांकन पर निर्णय बताने प्रभावितों की प्रबंधन जल्द बैठकें ले सकती है। एसईसीएल कोरबा एरिया की मानिकपुर व सराईपाली ओपनकास्ट माइंस है। बीते वित्तीय वर्ष में नई खदान अंबिका माइंस से ओवरबर्डन हटाने का काम शुरू किया है। इस कारण खदान से कोयला उत्पादन में अभी समय लगेगा। अंबिका माइंस से प्रभावित ग्रामीणों को रोजगार देने की प्रक्रिया एसईसीएल ने शुरू कर दी है। कोल कंपनी में नियमित नौकरी की 155 खातेदारों को पात्रता मिली है, जबकि कुल प्रभावित खातेदार 678 हैं। इस बीच एसईसीएल ने ग्राम पंचायत करतली, पुटा, उड़ता, डोंगानाला व नुनेरा की अधिग्रहित जमीन पर करतली ईस्ट परियोजना खोलने की तैयारी शुरू की है। ग्रामीणों में अधिग्रहण की प्रक्रिया में लेटलतीफी पर पहले से नाराजगी बनी हुई है। अगर मुआवजा निर्धारण अधिग्रहण के समय के अनुसार पुराने दर पर किया गया तो विरोध सामने आएगा। हालांकि मुआवजा निर्धारण व परिसंपत्तियों के मूल्यांकन के बाद मुआवजे की तय दर ग्रामीणों को बैठक में जानकारी देने से पूरी तरह स्पष्ट होगा।

युवक के हमले में घायल युवती की मौत,हमला करने के बाद युवक ने कर ली थी खुदकुशी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। युवक के हमले में गंभीर रूप से घायल युवती 7 दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करती रही। आखिरकार युवती ने मंगलवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

जूना बिलासपुर करबला चौक में रहने वाली निशा श्रीवास (22) पार्लर का काम करती थी। उसका सरकंडा के अशोक नगर में रहने वाला शुभम नायडू (28) से पहचान थी। युवक निजी बैंक में काम करता था। उसने प्रेम विवाह किया था जिससे एक बेटा भी है। शादी के कुछ दिनों बाद ही पत्नी के साथ उसका विवाद होने लगा। गत मंगलवार तीन फरवरी को वह बाइक से निशा को अपने साथ कोरबा ले गया था। भारत माला रोड से होते हुए वह उरगा पहुंचा और यहां मडवारानी स्थित मंदिर गए। रात करीब दो बजे निशा जख्मी अवस्था में अपनी एक सहेली को वीडियो कॉल किया और घटना की जानकारी दी। स्वजन को पता चलने पर तत्काल वे डायल 112 को इसकी सूचना दी और खुद भी मौके के लिए रवाना हुए। ग्राम संडैल में एक पुल के पास शुभम और निशा घायल अवस्था में पुलिस की टीम को मिले। जांच करने पर पता चला कि शुभम की मौत हो गई थी। वहीं, निशा की स्थिति नाजुक थी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623